घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 173- शनिवार 25 - अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

टीएमसी का दीया बुझने वाला,पहले चरण के मतदान ने सत्ताधारी दल की नींदे उड़ाई : पीएम मोदी

कोलकाता,24 अप्रैल 2026। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दमदम और जादवपुर में रैली की। उन्होंने कहा कि टीएमसी का दिया बुझने वाला है। बुझता दिया फड़फड़ाता है। बंगाल में परिवर्तन की लहर है। पहले चरण की वोटिंग ने इस पर मुहर लगा दी है। पीएम ने महिला आरक्षण पर कहा कि भाजपा बेटियों के सपने कुचलने नहीं देगी। महिलाओं की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता होगी।

पीएम मोदी बोले...महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना हमारा लक्ष्य

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम चाहते हैं कि हर योजना में महिलाओं की भागीदारी बढ़े। लेकिन कुछ दिन पहले संसद में टीएमसी और उसके सहयोगियों ने महिला आरक्षण का विरोध किया। देश चाहता है कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़े, लेकिन टीएमसी ऐसा नहीं चाहती। आज बंगाल में हमारे कार्यकर्ता घर-घर जाकर 'मातृ शक्ति भरोसा कार्ड' बांट रहे हैं। हर बहन को हर महीने 3000 रुपए, यानी सालाना 36,000 रुपए की सहायता का आश्वासन दिया जा रहा है।

पीएम ने कहा...15 साल में टीएमसी ने बंगाल को सिर्फ लूटने का काम किया

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जाधवपुर में कहा कि बंगाल में पहले चरण का मतदान हो चुका है। पहले चरण में बंपर मतदान हुआ है। देश आजाद होने के बाद कभी ऐसा नहीं देखा जो इस बार बंगाल के लोगों ने कर दिखाया। हर तरफ यही चर्चा है कि भाजपा को कितना बड़ा समर्थन बंगाल में मिला है। आज बंगाल के छोटे दूकानदारों से लेकर बड़े व्यापारी तक, सब भयमुक्त होकर भाजपा की सरकार के लिए समर्थन दे रहे हैं। हर कोई परिवर्तन के लिए भाजपा के भरोसे पर बंगाल का भाग्य बनाने के लिए तैयार हैं। पिछले 15 साल में टीएमसी ने बंगाल को सिर्फ और सिर्फ लूटने का काम किया है। ऐसा कोई काम नहीं जहां टीएमसी का भ्रष्टाचार नहीं इसलिए बंगाल की जनता कह रही है 'भर्ती घोटाला चोलबे न'(भर्ती घोटाला नहीं चलेगा), चीट फंड घोटाला, कोयला खनन घोटाला, गरीबों के राशन की लूट, तस्करों को छूट, कटमनी, भ्रष्टाचार नहीं चलेगा।

पीएम ने कहा...टीएमसी ने 15 साल में बंगाल की पहचान खत्म की...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 15 साल में टीएमसी सरकार ने बंगाल की पहचान को खत्म कर दिया है। यहां घुसपैठियों को लाकर बसाया जा रहा है। वे बंगाल की जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। स्थानीय लोगों की रोजी-रोटी छीन रहे हैं। एक तरफ टीएमसी का भ्रष्टाचार है, तो दूसरी तरफ घुसपैठियों का अत्याचार। बंगाल के युवाओं को रोजगार के लिए अपने घर छोड़ने को मजबूर होना पड़ रहा है। इस समस्या का समाधान तभी होगा, जब टीएमसी पूरी तरह पराजित होगी और भाजपा पूरी ताकत के साथ सत्ता में आएगी। यहां बैठी टीएमसी सरकार वंचित वर्ग के खिलाफ है। केंद्र सरकार की जो योजनाएं हैं उसमें बाधा डाल रही है। आयुष्मान भारत योजना में 5 लाख तक के इलाज का खर्च मोदी सरकार उठाती है, लेकिन टीएमसी ने इस योजना को बंगाल में रोक रखा है। प्रधानमंत्री आवास योजना में भी टीएमसी सरकार घपला कर रही है।

पीएम बोले...टीएमसी राज में बेटियां सुरक्षित नहीं,बीजेपी सरकार में बलात्कारी सुरक्षित नहीं रहेगा...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जादवपुर में कहा कि पहले चरण के मतदान से साफ हो गया है कि कई जिलों में टीएमसी अपना खाता भी नहीं खोल पाएगी। दूसरे चरण में आपको टीएमसी की पक्की हार और विकसित बंगाल के संकल्प पर मुहर लगानी है। बीजेपी की जीत, चाहे बड़ी हो या निर्णायक, बंगाल में तेज विकास का नया दौर लेकर आएगी। 29 अप्रैल को आपको यह काम करना है। यह बंगाल के लिए बहुत बड़ा अवसर है, इसलिए एक भी वोट छूटना नहीं चाहिए। टीएमसी सरकार में पाले गए अपराधियों और गुंडों, तथा महिलाओं के खिलाफ बलात्कार जैसी घटनाओं के दोषियों को कानून सख्त सजा देगा और हम यह सुनिश्चित करेंगे। टीएमसी शासन में यहां बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, लेकिन भाजपा सरकार में कोई भी बलात्कारी या अपराधी सुरक्षित नहीं रहेगा। सबका हिसाब होगा, यह मोदी की गारंटी है।

राघव चड्ढा का आम आदमी पार्टी से इस्तीफा

दो तिहाई सांसदों के साथ भाजपा में विलय की घोषणा

नई दिल्ली,24 अप्रैल 2026। आम आदमी पार्टी में शुक्रवार को बड़ी फूट सामने आई है। राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा समेत आआपा के 07 सांसदों यानी दो तिहाई ने पार्टी छोड़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय करने की घोषणा की है। दिल्ली के कॉन्स्टीच्यूशन क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने पार्टी छोड़ने की घोषणा के साथ भाजपा में विलय करने की घोषणा की। राघव चड्ढा ने दावा किया कि 'राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सदस्य हैं, जिनमें से दो-तिहाई से ज़्यादा सदस्यों ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। आज सुबह इन सभी 7 सदस्यों के हस्ताक्षरित पत्र और दस्तावेज राज्यसभा सभापति को सौंपे गए हैं।उनमें से तीन आपके सामने यहां मौजूद हैं। इनके अलावा हरभजन सिंह,राजिंदर गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल भी हैं।' चड्ढा ने कहा 'आप कई सालों से मुझसे पूछते रहे कि मैं आम आदमी पार्टी की गतिविधियों में हिस्सा क्यों नहीं ले रहा था और उससे दूर क्यों दिख रहा था। उस समय मैंने कुछ नहीं कहा और हालात बेहतर होने का इंतज़ार करता रहा। लेकिन आज मैं इसकी असली वजह बताना चाहता हूँ, मैं उनके 'गुनाहों' में शामिल नहीं होना चाहता था। मैं उनकी दोस्ती के लायक नहीं था क्योंकि मैं उनके गलत कामों में भागीदार नहीं बना।' उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि जिस पार्टी को उन्होंने खून-पसीने से सींचा, वह अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है। अब यह पार्टी देशहित में काम नहीं कर रही बल्कि अपने निजी स्वार्थों के लिए काम कर रही है। 'पिछले कुछ वर्षों से मुझे महसूस हो रहा था कि मैं गलत पार्टी में सही इनसान हूं इसलिए आज मैं घोषणा करता हूं कि मैं आम आदमी पार्टी से दूरी बना रहा हूं और जनता के करीब जा रहा हूं। 'राघव चड्ढा के दावों के मुताबिक सात राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में शामिल होने की घोषणा के बाद आआपा के पास अब उच्च सदन में केवल 3 प्रतिनिधि रह गए हैं। जिसमें संजय सिंह, एनडी गुप्ता और बलबीर सिंह सिचेवाल शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक राघव चड्ढा, संदीप सिंह और अशोक मित्तल जल्द ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात कर औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल होंगे। दलबदल विरोधी कानून के तहत, यदि किसी पार्टी के दो-तिहाई या उससे अधिक सांसद या विधायक एक साथ पार्टी छोड़ते हैं तो उनकी सदस्यता रद्द नहीं होती है।

कोई अदालत नाबालिग को गर्भावस्था बनाए रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,24 अप्रैल 2026। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक अहम फैसला देते हुए कहा कि किसी भी महिला, विशेषकर नाबालिग, को उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भावस्था के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। इस फैसले के साथ सुप्रीम कोर्ट ने 15 वर्षीय एक नाबालिग लड़की को सात महीने से अधिक की गर्भावस्था को मेडिकल तरीके से खत्म करने की अनुमति दे दी। अदालत ने कहा कि इस मामले में गर्भ अनचाहा है। साथ ही, उसने पहले दो बार आत्महत्या का प्रयास किया है, ऐसे में गर्भावस्था जारी रखना उसके हित में नहीं है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि गर्भवती महिला की पसंद सर्वोपरि है, न कि जन्म लेने वाले बच्चे की। अदालत ने कहा कि जबरन गर्भावस्था को जारी रखने से नाबालिग के मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक स्थिति और समग्र विकास पर गहरा असर पड़ सकता है। पीठ ने कहा कि महिला की प्रजनन संबंधी स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। यदि किसी महिला को अनचाहे गर्भ को जारी रखने के लिए मजबूर किया जाता है, तो यह उसके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। अदालत ने कहा...'अपने शरीर से जुड़े फैसले लेने का अधिकार, खासकर प्रजनन से संबंधित मामले, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का अभिन्न हिस्सा है। इस अधिकार को गलत प्रतिबंध लगाकर कमजोर नहीं किया जा सकता, खासकर नाबालिगों और अनचाहे गर्भ के मामलों में। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि कोई भी अदालत किसी भी महिला को उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भावस्था के लिए मजबूर नहीं कर सकती और खासकर नाबालिग को तो बिल्कुल नहीं।

ज्ञानेश कुमार को सीईसी के पद से हटाने के लिए विपक्ष ने फिर दिया नोटिस

नई दिल्ली,24 अप्रैल 2026। विपक्ष के 73 सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए राष्ट्रपति को सिफारिश करने का प्रस्ताव राज्यसभा में लाने के लिए नोटिस दिया है। राज्यसभा के महासचिव को प्रस्ताव का नोटिस दिया गया है जिसमें ज्ञानेश कुमार पर कदाचार के आरोप लगाए गए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को एक्स पर कहा कि 15 मार्च 2026 के बाद की घटनाओं और निर्णयों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। प्रस्ताव संविधान के अनुच्छेद 324(5) और अनुच्छेद 124(4) के प्रावधानों के साथ-साथ चुनाव आयुक्त तथा न्यायाधीशों से जुड़े कानूनों के तहत लाया गया है। रमेश ने कहा कि विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नौ विशिष्ट आरोप विस्तृत रूप से दर्ज कराये हैं। इन्हें नकारा नहीं जा सकता। इसके तहत ज्ञानेश कुमार का पद पर बने रहना संविधान की मर्यादा के विरुद्ध है। उनका कार्य निष्पक्ष नहीं रहा और वे सरकार के प्रभाव में काम कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि यह विपक्ष की ओर से किया गया ऐसा दूसरा प्रयास है। इससे पहले 12 मार्च को 193 सांसदों (राज्यसभा में 63, लोकसभा में 130) ने हस्ताक्षर कर एक नोटिस दिया था। इसे राज्यसभा के सभापति और लोकसभा अध्यक्ष ने खारिज कर दिया था।

केदारनाथ धाम में आस्था का सैलाब,93 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

रुद्रप्रयाग,24 अप्रैल 2026। केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं की आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। यात्रा शुरू होने के बाद अब तक कुल 93,622 तीर्थयात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं, जो आस्था के बढ़ते प्रवाह को दर्शाता है। शुक्रवार को एक ही दिन में 30,370 तीर्थयात्रियों ने बाबा केदार के दर्शन किए। चारधाम यात्रा के लिए 22.61 लाख के अधिक यात्रियों ने पंजीकरण कराया है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार,दर्शन करने वालों में 20,442 पुरुष, 9,797 महिलाएं और 131 बच्चे शामिल रहे। विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या इस दिन शून्य रही। यात्रा प्रारंभ होने के बाद से अब तक कुल 93,622 श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंच चुके हैं, जो यात्रा के प्रति लोगों की आस्था और उत्साह को दर्शाता है। यमुनोत्री धाम और गंगोत्री धाम में शुक्रवार को कुल 64,193 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

अगले महीने अंग, बंग और कलिंग में होंगी भाजपा की सरकारें : शाह

कोलकाता,24 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बड़ा राजनीतिक दावा करते हुए कहा कि अगले महीने अंग (बिहार), बंग (बंगाल) और कलिंग (ओडिशा) तीनों क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारें होंगी। उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत में भाजपा का विस्तार तेजी से हो रहा है और पश्चिम बंगाल में जनता इस बार परिवर्तन का मन बना चुकी है। अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में जनता ने भारी उत्साह के साथ मतदान किया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान हुआ और भाजपा इनमें से 110 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगी। शाह ने कहा कि मतदान प्रतिशत ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और यह साफ संकेत है कि राज्य की जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जो इस बात का प्रमाण है कि लोग लोकतांत्रिक तरीके से परिवर्तन लाना चाहते हैं। शाह ने कहा कि जनता ने भय और हिंसा की राजनीति को नकारते हुए बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों तक पहुंचकर अपना मताधिकार प्रयोग किया। तृणमूल कांग्रेस सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार की विदाई तय है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दिया गया है और पिछले कई वर्षों में हजारों करोड़ के घोटाले हुए हैं। उन्होंने कहा कि भर्ती घोटाला, शिक्षक नियुक्ति प्रकरण, नगर निकाय अनियमितताएं और विभिन्न योजनाओं में भ्रष्टाचार से जनता त्रस्त है। शाह ने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर तृणमूल शासनकाल के भ्रष्टाचार पर श्वेत पत्र जारी किया जाएगा। साथ ही सेवानिवृत्त उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में सभी मामलों की जांच कराई जाएगी, ताकि दोषियों को कानून के अनुसार सजा मिल सके। महिला सुरक्षा को सबसे बड़ी प्राथमिकता बताते हुए शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाओं में आक्रोश है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं और सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी कि महिलाएं रात में भी निर्भय होकर बाहर निकल सकें। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाएं इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाएंगी और तृणमूल कांग्रेस को जवाब देंगी। शाह ने महिला आरक्षण के मुद्दे का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। अमित शाह ने कहा कि राज्य में सिंडिकेट राज, कट मनी और भतीजा कर जैसी व्यवस्थाओं ने आम लोगों का जीवन कठिन बना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसी भी निर्माण कार्य, व्यापार, नौकरी या सरकारी सुविधा में दलाली और दबाव की राजनीति चल रही है। भाजपा सरकार बनने पर इन व्यवस्थाओं को पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। भूमि अतिक्रमण के मुद्दे पर शाह ने कहा कि राज्य में वर्षों से हजारों हेक्टेयर जमीन पर अवैध कब्जे हुए हैं। भाजपा सरकार ऐसे कब्जों को हटाकर विकास, उद्योग, आवास और बुनियादी ढांचे के कार्यों में जमीन का उपयोग करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर बंगाल में जन्मे और बंगाली भाषा बोलने वाले नेता को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस जनता को भ्रमित करने के लिए बाहरी लोगों के शासन की अफवाह फैला रही है, जबकि भाजपा बंगाल की मिट्टी और संस्कृति का सम्मान करती है। अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्वी भारत के संतुलित विकास के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार चाहती है कि देश के पश्चिमी हिस्से की तरह पूर्वी भारत भी तेज गति से आगे बढ़े। पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनने पर यह सपना और तेजी से साकार होगा।

अयोध्या राम मंदिर में विशिष्ट दर्शन बंद अब केवल सुगम और सामान्य पास अनिवार्य

नई दिल्ली,24 अप्रैल 2026। अयोध्या में प्रभु श्री राम के बाल स्वरूप के दर्शन के लिए उमड़ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। ट्रस्ट ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट से 'विशिष्ट दर्शन' के विकल्प को पूरी तरह हटा दिया है। अब तक श्रद्धालु विशेष श्रेणी के तहत पास बनवाकर दर्शन कर सकते थे, लेकिन अब इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है। ट्रस्ट का उद्देश्य दर्शन की प्रक्रिया को और अधिक सरल, पारदर्शी और सभी के लिए समान बनाना है। इस बदलाव के बाद अब वेबसाइट पर केवल 'सुगम दर्शन' और 'सामान्य दर्शन' के ही विकल्प उपलब्ध रहेंगे, जिससे आम श्रद्धालुओं को बिना किसी भेदभाव के दर्शन का अवसर मिल सके। ट्रस्ट द्वारा किए गए नए बदलावों के तहत अब दर्शनार्थियों के लिए दो श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। पहली श्रेणी 'सुगम दर्शन' की है, जिसके अंतर्गत बनने वाले पास से श्रद्धालु राम लला और राम दरबार के साथ-साथ परकोटा में स्थित 6 अन्य मंदिरों के भी दर्शन कर सकेंगे। दूसरी श्रेणी 'सामान्य दर्शन' पास की है। इस विकल्प को चुनने वाले श्रद्धालुओं को राम लला और राम परिवार के साथ शेषावतार मंदिर, सप्त ऋषि मंदिर और ऐतिहासिक कुबेर टीले के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन बुजुर्गों और महिलाओं के लिए अत्यंत लाभकारी है, जो लंबी कतारों में खड़े होने की शारीरिक क्षमता नहीं रखते और शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन करना चाहते हैं। दर्शन व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए ट्रस्ट ने एक और कड़ा कदम उठाया है। अब तक ऑनलाइन बुकिंग के दौरान एक पास पर अधिकतम 8 श्रद्धालुओं के दर्शन की अनुमति थी, लेकिन अब इस संख्या को घटाकर अधिकतम 5 कर दिया गया है। यानी अब एक परिवार या समूह के केवल पांच सदस्य ही एक बार में एक पास का उपयोग कर पाएंगे।

19 साल की बेटी का खौफनाक कांड...मां का सिर काट डाला,फिर कटी गर्दन के साथ पूरी रात छिपी रही

नई दिल्ली,24 अप्रैल 2026। असम के पश्चिमी कार्बी आंगलोंग जिले से एक सनसनीखेज और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 19 वर्षीय युवती पर अपनी ही मां की हत्या का आरोप है। घटना डेरामुख लालुंग गांव की बताई जा रही है, जिसने पूरे इलाके में दहशत और हैरानी का माहौल पैदा कर दिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी युवती ने बुधवार रात करीब 10 बजे घर के भीतर ही अपनी 42 वर्षीय मां पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के दौरान उसने अपने पिता और बहन पर भी हमला किया, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद युवती मौके से फरार हो गई और कई घंटों तक पुलिस की पकड़ से बाहर रही। गुरुवार सुबह पुलिस ने उसे तलाश कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि वारदात के बाद उसका व्यवहार असामान्य था, जिससे मामले ने और भी गंभीर रूप ले लिया है।

ममता बनर्जी का भाजपा पर तीखा हमला...

वे झालमुड़ी का वादा कर रहे हैं,मैं भेलपुरी खिलाऊंगी

कोलकाता,24 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बौबाजार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'वे झालमुड़ी का वादा कर रहे हैं, लेकिन मैं आपको भेलपुरी खिलाऊंगी।' उन्होंने आरोप लगाया कि झारग्राम में प्रधानमंत्री के झालमुड़ी खाने का कार्यक्रम पहले से तैयार किया गया था। ममता बनर्जी ने दावा किया कि दुकान पर पहले से सीसीटीवी और टीवी कैमरे लगाए गए थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'सुरक्षा के नाम पर झालमुड़ी घर से बनाकर लाई गई थी और दुकानदार को सिर्फ 10 रुपये दिए गए।' भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा, 'वे कहते हैं कि जीतने पर झालमुड़ी खाएंगे, लेकिन मैं कहती हूं कि दिल्ली से आपको भेलपुरी खिलाऊंगी। चुनाव जीतने के लिए झालमुड़ी दिखा रहे हैं।' मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'हम तीखी झालमुड़ी के आदी हैं, लेकिन क्या आपने कभी मछली और चिकन करी खाई है? मैं आपका ढोकला खाती हूं, डोसा खाती हूं, लिट्टी, ठेकुआ और सत्तू भी खाती हूं। ईद पर सेवइयां और हलवा भी खाती हूं, मुझे धर्म मत सिखाइए।'

पश्चिम बंगाल में पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान पर सीजेआई ने जताई खुशी

नई दिल्ली,24 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल में गुरुवार को संपन्न पहले चरण के चुनाव में मतदान प्रतिशत 92 फीसदी से अधिक दर्ज किया गया। मतदान प्रतिशत को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने संतोष और खुशी जाहिर की है। सर्वोच्च अदालत ने इसे लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत बताते हुए कहा कि बड़ी संख्या में लोगों का मतदान में हिस्सा लेना देश की लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत करता है। एक सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत का एक नागरिक होने के नाते मैं मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुश हूं। जब लोग वोट डालते हैं तो लोकतंत्र मजबूत होता है। जब नागरिक अपने वोट की अहमियत समझते हैं, तो वे हिंसा से दूर रहते हैं। इस दौरान जस्टिस बागची ने भी चुनाव प्रक्रिया को लेकर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पहले चरण के दौरान किसी बड़ी हिंसक घटना की खबर सामने नहीं आई, जो एक सकारात्मक संकेत है।

पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज : गुवाहाटी हाईकोर्ट बोला...ये फर्जी दस्तावेज का केस,कस्टोडियल पूछताछ जरूरी,सीएमसरमा की पत्नी पर आरोप लगाए थे

गुवाहाटी,24 अप्रैल 2026। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने शुक्रवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी से जुड़े मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। जस्टिस पार्थिव ज्योति सैकिया ने कहा कि खेड़ा ने रिनिकी भुइयां शर्मा पर आरोप लगाने के लिए जिन दस्तावेजों को आधार बनाया है, पुलिस के मुताबिक वे पहले ही फर्जी साबित हो चुके हैं। कोर्ट ने कहा कि खेड़ा यह साबित नहीं कर पाए कि रिनिकी के पास कई देशों के पासपोर्ट हैं या उन्होंने अमेरिका में कंपनी बनाकर निवेश किया है। पहली नजर में ये फर्जी दस्तावेज रखने का केस बनता है। इसलिए पुलिस को जांच के लिए हिरासत में पूछताछ जरूरी है। खेड़ा ने 5 अप्रैल को आरोप लगाया था कि असम सीएम सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के पास कई देशों के पासपोर्ट हैं और विदेश में अघोषित संपत्ति है। जिनका जिक्र चुनावी हलफनामे में नहीं किया गया। इसके बाद रिनिकी भुइयां शर्मा ने गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में खेड़ा के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

कोर्ट बोला...निर्दोष महिला को राजनीति में घसीटा : अगर आरोप मुख्यमंत्री पर होते तो इसे राजनीतिक बयान माना जा सकता था, लेकिन उनकी पत्नी को इसमें घसीटना सही नहीं है। इससे राजनीतिक फायदा लेने की कोशिश दिखती है और एक निर्दोष महिला को विवाद में लाया गया। यह पता लगाने के लिए कि दस्तावेज कहां से आए, किसने जुटाए और इसमें कौन-कौन शामिल है, हिरासत में पूछताछ जरूरी है। खेड़ा पुलिस जांच से बचने की कोशिश कर रहे थे। यह सिर्फ मानहानि का मामला नहीं है, बल्कि इसमें साजिश और फर्जी दस्तावेज रखने जैसे गंभीर पहलू शामिल हैं।

संपादकीय

आधुनिकीकरण की राह पर रेलवे

भारत में हर दिन 25,000 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। ये ट्रेनें रोजाना दो करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाती हैं और कोयला,लौह अयस्क, अनाज, स्टील,सीमेंट तथा अन्य वस्तुओं की बड़ी मात्रा को 1,37,000 किमी से अधिक लंबे रेल नेटवर्क पर एक से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं। यह व्यवस्था जिस आधार पर काम करती है, वह रेल पटरी है। जब पटरी अच्छी स्थिति में होती है,तब ट्रेनें सुरक्षित रूप से अधिक गति से चलती हैं। जब पटरी खराब होती है,तो इसके परिणाम गति पर रोक, देरी और सुरक्षा संबंधी जोखिम के रूप में सामने आते हैं। रेल की पटरी में दरार,कोई ढीला पुर्जा या गिट्टी की परत में रुकावट, इनमें से कोई भी ट्रेन की गति को प्रभावित कर सकती है।

रेल पटरियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्य में आधुनिक मशीनों से पटरियों का नवीनीकरण,उन्नत तरीकों से जांच और निरीक्षण, मशीनीकृत रखरखाव,सुरक्षा बाड़बंदी आदि शामिल रहे हैं। इन प्रयासों ने रेल नेटवर्क की स्थिति को स्पष्ट रूप से बदल दिया है।

2014 से अब तक लगभग 55,000 किमी पटरियों का नवीनीकरण किया गया है,जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार-बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 किमी ट्रैक में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़,जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम-सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किमी से अधिक हिस्से में मजबूत 60 किग्रा वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार ढुलाई और तेज गति सुनिश्चित करती हैं।

जहां मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है,वहीं समय रहते खराबी पकड़ना भी जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की जाती है। इसके तहत करीब 36.2 लाख किमी ट्रैक और 2.25 करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है। अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीक भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच,फ्लैश-बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनों और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था बनाई गई है,जो ट्रेन यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है।

भारतीय रेलवे की ट्रैक मशीनों की संख्या 2014 में 748 थी, जो 2026 में बढ़कर 1,785 हो गई है। ये मशीनें पटरी को ठीक करने,गिट्टी साफ करने और हाथ से होने वाले काम की तुलना में ज्यादा तेज,बेहतर और एकसमान तरीके से करती हैं। पटरी के नीचे बिछी गिट्टी की परत साफ करने में मशीनों ने बड़ा फर्क पैदा किया है। यही गिट्टी पानी निकालने,कंपन कम करने और पटरी मजबूत बनाए रखने का काम करती है। पटरी की ऊपरी सतह की खराबी दूर करने के लिए भी एक लाख किमी से ज्यादा रेल ढांचे की ग्राइंडिंग की गई है। इससे ट्रेन का सफर ज्यादा आरामदायक और सुरक्षित हुआ है। हर साल ट्रेनों की संख्या बढ़ रही है, इसलिए उनके रखरखाव के लिए मिलने वाला समय कम होता जा रहा है। ऐसे में मशीनों की मदद से कम समय में ज्यादा काम हो जाता है और ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित नहीं होतीं। इस क्रम में सुरक्षा सिर्फ पटरी पर नहीं, बल्कि वहां भी जरूरी है जहां ट्रेनें लाइन बदलती हैं। इसलिए भारतीय रेलवे ने पटरी बदलने के साथ कई दूसरे सुधार भी किए हैं। करीब 17,500 किमी तक सुरक्षा के लिए बाड़ लगाई गई है, खासकर उन जगहों पर जहां ट्रेनें 110 किमी प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार से चलती हैं। इससे लोगों और जानवरों के पटरी पर आने की घटनाएं कम होती हैं।

जहां ट्रेनें एक लाइन से दूसरी लाइन पर जाती हैं, वहां 36,000 नए और मजबूत स्विच लगाए गए हैं और 7,500 खास तरह के क्रासिंग लगाए गए हैं। ये ज्यादा समय तक चलते हैं और ट्रेन को बिना झटके के गुजरने देते हैं। 2019 से चौड़े और भारी स्लीपर लगाए जा रहे हैं,जिससे पटरी ज्यादा मजबूत रहती है,खासकर गर्मियों में। पुलों पर भी मजबूत स्लीपर लगाए गए हैं और यार्ड के अंदर लंबी वेल्ड वाली पटरियां बिछाई गई हैं। इससे पूरा रेलवे नेटवर्क और मजबूत हुआ है।

क्यों बीमा से दूर है आम भारतीय?

डॉ.सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

भारत आज दुनिया की सबसे तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। ऊंची विकास दर,डिजिटल क्रांति,बढ़ती आय और वैश्विक मंच पर मजबूत होती स्थिति–ये सब संकेत देते हैं कि देश आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक सच्चाई ऐसी भी है, जो अक्सर नजरों से ओझल रह जाती है–भारत का आम नागरिक अब भी आर्थिक सुरक्षा के सबसे बुनियादी साधन,यानी बीमा,से दूर है। विडंबना यह है कि जिस देश में अनिश्चितताओं की भरमार है–बीमारी,दुर्घटना, प्राकृतिक आपदाएं,रोजगार की अस्थिरता–वहीं बीमा को अब भी "अतिरिक्त खर्च" समझा जाता है, न कि "जरूरी सुरक्षा कवच"...

भारत में बीमा कवरेज की स्थिति संतोषजनक नहीं है। बीमा घनत्व और पैठ दोनों ही वैश्विक औसत से नीचे हैं। ग्रामीण भारत,जो देश की बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, वहां बीमा की पहुंच बेहद सीमित है। जीवन बीमा के कुछ प्रसार के बावजूद स्वास्थ्य,फसल और संपत्ति बीमा की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा क्यों है कि विकास की रफ्तार के साथ बीमा का दायरा नहीं बढ़ पा रहा?

इसका पहला और सबसे बड़ा कारण है–जागरूकता की कमी

देश के एक बड़े हिस्से को आज भी यह समझ नहीं है कि बीमा आखिर है क्या, और यह उनके जीवन में किस तरह सुरक्षा प्रदान कर सकता है। गांवों में तो बीमा को अक्सर ठगी या धोखे के रूप में देखा जाता है। एजेंटों द्वारा गलत जानकारी देना,पॉलिसी की शर्तों को स्पष्ट न करना और क्लेम के समय होने वाली परेशानियां लोगों के मन में अविश्वास पैदा करती हैं। परिणामस्वरूप, लोग बीमा से दूरी बनाए रखना ही बेहतर समझते हैं।

दूसरा बड़ा कारण है–आर्थिक प्राथमिकताएं

जब किसी परिवार की आय सीमित हो और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना ही चुनौती हो,तब बीमा जैसी चीज़ उनके लिए प्राथमिकता में नहीं आती। आम भारतीय के लिए पहले भोजन,शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की जरूरतें हैं;बीमा उसके बाद आता है। यह सोच गलत नहीं है,लेकिन यह भी सच है कि एक छोटी सी दुर्घटना या बीमारी पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति को हिला सकती है–और यही वह जगह है जहां बीमा की जरूरत सबसे ज्यादा होती है।

तीसरा कारण है–बीमा उत्पादों की जटिलता। बीमा कंपनियों द्वारा पेश किए जाने वाले उत्पाद आम लोगों की समझ से परे होते हैं। लंबी-चौड़ी शर्तें, तकनीकी भाषा और अस्पष्ट लाभ–ये सब मिलकर बीमा को एक कठिन और उलझा हुआ उत्पाद बना देते हैं। एक साधारण व्यक्ति के लिए यह समझना मुश्किल होता है कि कौन-सी पॉलिसी उसके लिए सही है। इस जटिलता का फायदा कई बार एजेंट उठाते हैं और ग्राहक को ऐसी पॉलिसी बेच दी जाती है, जो उसकी जरूरतों के अनुकूल नहीं होती।

इसके साथ ही,दावा निपटान की प्रक्रिया भी बीमा से दूरी का एक बड़ा कारण है। अक्सर यह सुनने को मिलता है कि क्लेम के समय कंपनियां तकनीकी कारणों का हवाला देकर दावे खारिज कर देती हैं या प्रक्रिया को इतना लंबा कर देती हैं कि ग्राहक थक हार कर पीछे हट जाता है। इस तरह के अनुभव समाज में तेजी से फैलते हैं और लोगों के मन में यह धारणा बन जाती है कि बीमा केवल पैसे वसूलने का माध्यम है, न कि संकट के समय सहायता का।

वितरण प्रणाली की कमजोरी भी एक अहम कारण है। बीमा अब भी बड़े पैमाने पर एजेंट आधारित मॉडल पर निर्भर है,जिसकी पहुंच सीमित है। ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में एजेंटों की कमी है,और जहां हैं भी, वहां उनकी प्राथमिकता कमीशन कमाना होता है, न कि ग्राहक को सही सलाह देना। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के आने से स्थिति में कुछ सुधार जरूर हुआ है,लेकिन डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण इसका लाभ हर वर्ग तक नहीं पहुंच पा रहा।

इन सबके बीच सामाजिक और सांस्कृतिक कारक भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। भारतीय समाज में अक्सर भविष्य की अनिश्चितताओं को भगवान की मर्जी मान लिया जाता है। जोखिम प्रबंधन की सोच अभी भी व्यापक नहीं हो पाई है। लोग यह मानते हैं कि बुरा वक्त आएगा तो किसी न किसी तरह संभाल लिया जाएगा–पर यह सोच कई बार भारी पड़ जाती है।

हालांकि,हाल के वर्षों में सरकार ने बीमा को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब और निम्न आय वर्ग को बीमा के दायरे में लाने की कोशिश की है। इन योजनाओं ने यह साबित किया है कि यदि बीमा सस्ता, सरल और सुलभ हो, तो लोग इसे अपनाने के लिए तैयार हैं। लेकिन इन योजनाओं का दायरा अभी भी सीमित है और व्यापक स्तर पर बदलाव लाने के लिए और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है।

हाल ही में पारित 'बीमा कानून संशोधन विधेयक, 2025' इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विशेष रूप से प्रबंध महाधिवक्ता की अवधारणा बीमा क्षेत्र में नई संभावनाएं खोल सकती है। एमजीए स्थानीय स्तर पर काम करते हुए बीमा उत्पादों को अधिक प्रासंगिक और सुलभ बना सकते हैं। इससे वितरण प्रणाली मजबूत होगी, उत्पादों में नवाचार आएगा और दावा निपटान की प्रक्रिया भी अधिक पारदर्शी बन सकती है। यदि इसे सही ढंग से लागू किया गया, तो यह बीमा क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

लेकिन केवल नीतिगत सुधार पर्याप्त नहीं हैं। असली चुनौती इन सुधारों को जमीन पर उतारने की है। इसके लिए सबसे पहले बीमा को उत्पाद नहीं, बल्कि अधिकार के रूप में स्थापित करना होगा। जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य को मौलिक जरूरत माना जाता है, वैसे ही बीमा को भी सामाजिक सुरक्षा के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में स्वीकार करना होगा।

जागरूकता अभियान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना, मीडिया के माध्यम से सरल भाषा में बीमा की जानकारी देना और स्थानीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाना जरूरी है। इसके साथ ही, बीमा उत्पादों को सरल और पारदर्शी बनाना होगा, ताकि आम व्यक्ति बिना किसी भ्रम के सही निर्णय ले सके।

नियामक संस्थाओं की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि बीमा कंपनियां ग्राहकों के हितों को प्राथमिकता दें, दावा निपटान की प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाएं और किसी भी प्रकार के दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई करें। डिजिटल तकनीक का उपयोग इस दिशा में सहायक हो सकता है, लेकिन इसके साथ डेटा सुरक्षा और गोपनीयता का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है।

अंततः,यह समझना होगा कि बीमा केवल एक वित्तीय उत्पाद नहीं, बल्कि एक सामाजिक सुरक्षा तंत्र है। यह उस भरोसे का नाम है, जो व्यक्ति को अनिश्चितताओं के बीच भी स्थिर रहने की शक्ति देता है। जब तक यह भरोसा मजबूत नहीं होगा,तब तक बीमा का दायरा सीमित ही रहेगा।

भारत के लिए सबका बीमा, सबकी रक्षा केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है। अगर देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो हर नागरिक को आर्थिक रूप से सुरक्षित करना होगा। और यह तभी संभव है,जब बीमा को आम भारतीय के जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। वरना विकास की यह दौड़ अधूरी ही रह जाएगी, जहां चमक तो होगी, लेकिन सुरक्षा का साया नहीं।

हर कहानी कुछ सिखाती है...

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर,बिहार

हर कहानी में एक हीरो जरूर होता है और आज मैं आपको एक ऐसी ही कहानी सुनाने वाली हुँ जिसमें एक लड़के ने अपनी मेहनत से जीरो से हीरो तक का सफ़र तय किया। एक छोटा सा नवजात बच्चा,जो अपनी माँ के गर्भ में नौ माह रहने के बाद झारखंड के गाँव में जन्म लेता है,उसके जन्म लेने से मानों पूरे परिवार में खुशियाँ छा जाती हैं। हर तरफ बस खुशियाँ ही खुशियाँ क्योंकि एक माँ को बेटा,बहन को भाई,दादी को पोता मिल गया। घर के सभी सदस्य बहुत ही खुश थे और सबने कुछ ना कुछ नाम रखा लेकिन उसकी दादी ने उसका नाम आदित्य रखा गया वैसे मैं तो अभिषेक नाम रखी हुँ और मै इसी नाम से जानती हूँ खैर,सबसे ज्यादा जरूरी ये बात थी कि आखिर आदित्य के जन्म लेने पर इतनी भव्य पूजा,दस दिनों तक भंडारा,नाच - गाना,दान-पुण्य आखिर क्यों?। एक बच्चा ही तो जन्म लिया है और वो तो आम बात है, इससे पहले भी आदित्य की माँ ने तीन-तीन बेटियों को जन्म दिया लेकिन उनके लिए तो ऐसा कुछ नही किया गया शायद लड़का और लड़की में फर्क करते होगे आदित्य के माँ-बाप। इस तरह की अनगिनत प्रश्न,मैं स्वंय से कर रही थी और उत्तर भी स्वंय ही दे रही थी। फिर बगल की दादी की बातों को सुनी तब पता चला कि आदित्य का जन्म लेना बहुत जरूरी था क्योंकि आदित्य की दादी ने कहा था कि मुझे पोता चाहिए। अगर इस घर का चिराग नहीं होता है तो मैं अपने बेटे की दूसरी शादी करवा दूँगी। आदित्य की दादी हमेशा उसकी माँ को कहती तुमने तीन-तीन बेटियों को जन्म दिया है,अब तो मुझे पोता दे दो। अगर इस बार भी बेटी जन्म लेती है तो मैं तुम्हें घर से निकाल दूंगी और अपने बेटे के लिए एक नई दुल्हन लेकर आऊंगी। बेचारी आदित्य की माँ अपनी प्रेगनेंसी के समय में बहुत डरी-डरी रहती थी और भगवान से प्रार्थना करती थी। हे प्रभु ! आपने मेरी गोद भरी है। इस बार मुझे पुत्र दे दो और मेरी सुहाग को भी बचा लो, नहीं तो मुझसे सब कुछ छीन जाएगा। मैं तीन-तीन बेटियों को लेकर कहाँ जाँऊगी। प्रभु ! मेरी प्रार्थना सुन लो मैं दस दिनों तक पूजा-पाठ, भंडारा और दान - पुण्य करूँगी। अब बगल वाली दादी की सारी बातों को सुनने के बाद मुझे पता चला आखिर आदित्य के जन्म लेने पर लोग इतना ज्यादा खुश क्यों हैं। अभी तो आदित्य ने अपनी आंखें भी नहीं खोली थी। तब तक सिर्फ उसके जन्म लेने पर इतनी सारी बातें हो गई। अभी तो आदित्य बड़ा हो रहा था और अपने खानदान का इकलौता चिराग और सबके आँखों का तारा था वो। झारखंड के गांव में रहकर ही आदित्य की पढ़ाई की शुरुआत हुई। तीनों बहनों और आदित्य हमेशा साथ में ही पढ़ते थे और स्कूल में भी आदित्य की बड़ी बहन का खूब प्रशंसा किया जाता था क्योंकि वो पढ़ने में बहुत समझदार थी लेकिन अफसोस की बात यह थी कि गांव में दसवी के बाद कोई पढ़ाई होती ही नहीं थी लेकिन आदित्य की बहन पढ़ना चाहती थी और उसकी कुछ सहेलियां गांव से शहर की ओर पढ़ने के लिए जा रही थी। तो इसकी बहन की भी बहुत इच्छा थी कि वो भी शहर जाकर पढ़े लेकिन आदित्य की दादी बेटियों पर खर्च करना चाहती ही नहीं थी इसलिए आदित्य की बहन कभी बोली ही नहीं कि उसे आगे भी पढ़ने का मन है और आदित्य तो अपनी बहनों पर जान छिड़कता था इसलिए जैसे ही उसे पता चला कि मेरी बड़ी बहन पढ़ना चाहती है तो वो सीधे दादी के पास गया और कहा दादी, दीदी को भी हम लोग शहर भेजते हैं ना, वो भी पढ़ाई करके कुछ बड़ा करेंगी। तब आदित्य की दादी-तेज आवाज में आदित्य की माँ को बुलाती और कहती हैं कि यह क्या पट्टी पढाने लगी तुम और तुम्हारी बेटी मेरे पोते को। अपनी बेटी को शहर भेजना है शादी करवाओ इसकी। पढ़ - लिख कर करेगी क्या? तो आदित्य कहता है दादी,किसी ने कोई पट्टी नहीं पढ़ाई। दादी,दीदी पढ़ने में बहुत तेज है उनका पढ़ने का मन है उनको पढाते हैं ना,तब उसकी दादी जिंदगी में पहली बार आदित्य पर चिल्लाते हुए-तुम चुप रहो, अब तुम बोलोगे क्या मुझे करना है और क्या नहीं। उस दिन पहली बार आदित्य अपनी दादी से डाँट खाया और रोते हुए कमरे को बंद कर लिया। यह सब देख आदित्य की मां गुस्से में गई अपनी बड़ी बेटी की इतनी पिटाई करती है कि पूछो मत और उससे कहती है कहां से आएगा इतना पैसा, इससे अच्छा जाकर तुम मर जाओ। बड़ी बेटी ने बहुत कुछ सुना था अपनी दादी से,अपने आसपास के लोगों से लेकिन जब उसकी मां ने उसे कहा कि मर जाओ। वो सच में दौड़ गई और कुएं में जाकर गिर गई। जैसे ही ये बात घर में पता चला आदित्य कमरा खोला और दौड़ गया तब तक किसी आदमी ने उसे कुएं में कूदते हुए देख लिया तो फिर उसे जैसे तैसे कुएं से बाहर निकाला। तब आदित्य पूछता है दीदी तुम क्यों कूद गई थी कुआं में। तब उसकी दीदी कहती है आदित्य तू छोटा है तो लड़का है ना, तो तुझ पर सब खर्च करेंगे मैं लड़की हूं मुझ पर कोई खर्च नहीं करेगा मैं मर जाऊं यही अच्छा है। इतने में दादी वहां आ जाती है और उसकी हाथ पकड़ के उसे घर ले जाती है और कहती है कल के कल जैसे भी लड़के मिले। इसकी शादी करो बहुत बहक गई है लड़की। ठीक वैसा ही हुआ लड़का खोजा गया और मंदिर में शादी करवा दी गई। आदित्य ने छोटे से उम्र में लड़के और लड़की में फर्क क्या होता है यह समझ लिया। अपनी बहन को विदा कर, दूसरे घर भेज दिया सभी ने। अब घर में दादी,माँ बाप,आदित्य और उसकी दो बहने थी। बड़ी बहन के ससुराल जाना था तब दादी,मां-बाप और सिर्फ आदित्य गया। दोनों बहने घर पर ही रही। अचानक वो लोग गए तो देखे, बड़ी बहन का ससुराल बहुत ही खराब स्थिति में था। ना सोने के लिए बिस्तर था,ना खाने के लिए अनाज और उसमें भी बड़ी बहन का पति शराबी, वो मारपीट करता था। पहली बार आदित्य ने किसी मर्द को किसी महिला पर हाथ उठाते हुए देखा। तब आदित्य ने पहली बार किसी इंसान का हाथ पकड़ा और किसी के साथ मारपीट की। वहां से आदित्य ने हथियार उठाया और अपने अंदर का डर हटाया। यह सब देखकर भी सब छुप रहे और आदित्य को ही डाँटते रहे लेकिन आदित्य ने साफ-साफ कह दिया कि अगर मेरी बहन के शरीर पर एक निशान आ गया तो मैं तुम्ही मार दूँ। इधर घर में चोरी हो गई दोनों बहने घर के कोने में छुपी रही। जब वो लोग घर आए तो देखे घर में चोरी हुई है, मँहगी सामान चोरी हो गई और आदित्य अपनी बहनों को खोजने लगा तब देखा वो दोनों एकदम ठीक थी। चोरी होने के कारण घर की स्थिति दयनीय हो गई क्योंकि खेती से ही तो हमारा घर चलता था और इस बार फसल लगाना था। कैसे लगेगा, पैसे तो है ही नहीं और जो भी माँ-दादी के गहने थे, वो भी चोरी हो गई। अब क्या होगा,आगे कैसे,क्या काम होगा तब आदित्य ने अपनी पढ़ाई छोड़ दी उस समय आदित्य आठवीं में पढ़ा करता था। वो गांव से शहर की ओर अकेला निकल गया बिना बताए। शहर में जाकर उसने कई छोटे-छोटे काम किया जैसे बर्तनों धोना, किसी के समान को उठना लेकिन कभी उसने अपना व्यवहार खराब नहीं किया उसका व्यवहार, लड़कियों के प्रति सम्मान हमेशा से रहा। वो खुद रेलवे प्लेटफार्म पर रहता था लेकिन वो जितना पैसा कमाता था सीधे घर भेजा करता था। अचानक खबर आती है कि बड़ी बहन मर गई वो इस दर्द को आँसू से निकाल रहा तभी शराब पी रहे लोगों ने देखा तो कहा-बेटा इसे पीओ अच्छा लगेगा। आदित्य ने पहली बार शराब पिया और वो बेहोश हो गया। शराबी उसका फोन,पैसे लेकर भाग गए। जब आदित्य को होश आया तब उसके पास कुछ नहीं था और आदित्य ने देखा कि एक इंसान जो किसी और से काम करवा रहा हैं लेकिन पैसा नहीं दे रहा है। तब आदित्य वहाँ जाता है और पहले प्यार से फिर मार से पैसा दिलवा देता है। यह सब एक इंसान जिसका नाम कुंदन था वो भी देख रहा था। अब आदित्य घर में बात नहीं कर पा रहा था वो परेशान था और उधर घर में दूसरी बहन की शादी पहली बहन के पति के साथ हो गया। इस बात से अनजान आदित्य लगातार मेहनत कर रहा था ताकि दोनों बहनों को अच्छी जिदंगी दे सकें। ऐसे ही काम करते हुए एक रोज फिर कुंदन ने आदित्य को देखा और आदित्य के अंदर की प्रतिभा को देखते हुए, कुंदन ने आदित्य से बात किया। वैसे भी कुंदन को एक ऐसे लड़के की जरूरत थी। जो उसके साथ आ - जा सके, उसके समानों को पकड़ सके,तो उसने आदित्य को कहा मैं तुम्हें रहने, खाने की जगह दूंगा और कुछ पैसे भी दूंगा। क्या तुम मेरे साथ चलोगे आदित्य ने बिना सोचे समझे कहा हाँ चलूंगा चलूंगा। यहां से आदित्य के जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन आया,वो झारखंड से दिल्ली पहुँच गया। आदित्य ने पढ़ाई आठवीं तक ही की थी लेकिन उसकी समझदारी बहुत ज्यादा थी। जिसके कारण आदित्य ने कुंदन के दिल में जगह बना लिया और विश्वासी सदस्य के रूप में हर जगह वो साथ जाता। आदित्य बहुत दिनों बाद पहली बार दिल्ली से अपने गाँव जा रहा था वो भी नए फोन और पैसों के साथ। जैसे ही वो घर पहुँचता दादी, माँ उसे प्यार करते,खाना खिलाते और आदित्य अपनी बहनों को खोजता तब जाकर वो तीसरी बहन को देखता लेकिन दूसरी बहन नहीं दिखती तब वो पूछता कहाँ है दीदी। उस वक्त तक आदित्य को नहीं पता था कि दादी और माँ ने मिलकर दूसरी बहन की शादी, बड़ी बहन के पति से कर दी गई है। यह जानकर आदित्य को बहुत गुस्सा -आखिर क्यों किया गया उसकी शादी। तब उसकी माँ कहती-बेटा तुम्हारा कॉल या पैसा नहीं आ रहा था क्या करते हमलोग,बेटियाँ है शादी तो करनी होती है ना। तब आदित्य कहता है -मर गया था मैं,रूक नहीं सकते थे आप और हाँ शादी करवाओ लेकिन इंसान से, जानवर से क्यों करवा दिए। बड़ी दीदी मर गई खुशी नहीं हुई तो दूसरी को भी भेज दिया। तब दादी बोलती-ऐसा नहीं है तुम गलत समझ रहे हो। तब आदित्य बंद कमरे में यही सोच रहा था कि पैसा का महत्व कितना है आज के समय में। खैर आदित्य जैसे-जैसे बड़ा हुआ वो उतना ही ज्यादा स्मार्ट होते गया, पर्सनालिटी बहुत ही अच्छी हो गई, काफी लड़कियां उस पर मरती थी। देखने में वो एकदम भोला-भाला,मस्त-मौला सा लड़का लेकिन वो अंदर से बहुत परेशान,इतना कुछ देख चुका था बचपन से इसलिए वो दिल से बहुत मजबूत था। कभी कुछ गुंडे अगर कुंदन को परेशान करते या उनसे पैसे मांगते तो कुंदन सीधे आदित्य को अकेले भेज देता और आदित्य उन गुंडो से खुद ही भीड़ जाता, छोटा पैसा हो या बड़ा पैसा कहीं भी फंसा हो आदित्य एक बार में सब ठीक कर देता है। दिल्ली में आदित्य के लड़के और लड़कियाँ दोस्त बन गए और मुझे से भी दोस्ती हो गई शायद गलती से। आदित्य रिल्स अच्छा बनाता है काफी लोग उसे चाहते थे। जिदंगी के उतार-चढाव को देखते हुए आदित्य ने जीवन जीना सिख लिया, कामयाबी के शेखर पर पहुँच गया और पहली बार वो अपनी तीसरी बहन के लिए लड़का देखने गया और भगवान की कृपा से बहुत ही अच्छा लड़का मिला। शादी भी बहुत धूमधाम से हुई। यह सब देखकर दूसरी बहन और घर में बहुत बहस हुआ। दूसरी बहन गंदी-गंदी गालियाँ व बातें बोलकर वो सब माँगने लगी जो छोटी बहन को दहेज में दिया गया। आदित्य ने वादा किया और जैसे - तैसे पैसे देकर विदा किया और परेशान होकर दूसरी बार वो शराब पीने लगा और पीने ही लगा। ऐसी हालत देखकर दादी और माँ ने सोचा शादी करवा देते हैं खुश रहेगा। आदित्य के पास काम नहीं था इसलिए अभी वो गाँव में रहता, पैसे के तंगी व दूसरी बहन हर रोज फोनकर पैसे माँगती नहीं देने पर गाली देती इस सब से परेशान होकर शराबी बन गया वो। अचानक एक दिन कुंदन का कॉल आया तब आदित्य शांत हुआ और दिल्ली वापस गया। वहाँ फिर काम किया, पैसा आया वो ठीक हो गया इधर उसकी शादी भी तय कर दिया गया। जैसे वो घर पहुँचा सारा सामान दूसरी बहन के यहाँ पहुँचाया तब जाकर वो खुश हुआ और उसने शादी भी कर ली इस उम्मीद में अब सब ठीक हो चूका है। आदित्य को लग रहा था कि शायद अब उसकी जीवन में खुशियाँ ही खुशियाँ होगी। लड़की बहुत ही सुदंर थी लेकिन व्यवहार से बिल्कुल ठीक नहीं थी। वो हर दिन-रात, सिर्फ महंगे-महंगे सामान खरीदती, ना आदित्य का और ना घर का ख्याल रखती। दूसरी बहन के साथ मिलकर सिर्फ धमकी देती,गंदी- गंदी बाते बोलती इन सबसे परेशान होकर आदित्य खुदखुशी करने की चाहत में वाराणसी चला गया और वही महादेव के द्वार में आत्महत्या करने वाला था कि तभी फिर कुंदन का फोन आया और आदित्य दिल्ली वापस काम में लौट गया। ना जाने कितने बार एक कॉल से आदित्य के जीवन में परिवर्तन आया। आज आदित्य,अपनी पत्नी, बहन के साथ -साथ घर के खर्च को उठा रहा है, परेशान होकर भी खुश हो रहा है। कामयाबी के शेखर पर पहुँचकर भी घमंड नहीं खाता। आदित्य अपने जीवन का हीरो है जिसने जमीन से उठाकर महल तक का सफ़र तय किया। उसने खुद को और पूरे परिवार को संभाला। आदित्य से एक अलग ही ऊर्जा मिलती है जो बताती है कि जीवन में परेशानी आती-जाती रहेगी,लेकिन हार मानना सही नहीं है, गिरो,उठो,संभलो और आगे बढ़ते रहो।।

विज्ञापनों का ब्रह्मास्त्र

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

पिंटू एक सीधा-साधा लड़का था, जब तक कि उसके घर में स्मार्ट टीवी नहीं आया था। पहले विज्ञापन ने उसे बताया कि उसकी मुस्कान पीली है, इसलिए उसे लड़की नहीं मिलेगी। पिंटू ने तीन तरह के कोयले वाले पेस्ट खरीदे। दूसरे विज्ञापन ने उसे यकीन दिलाया कि उसका शरीर मर्दाना नहीं है, क्योंकि वह एक खास ब्रांड का एनर्जी ड्रिंक नहीं पीता। पिंटू ने डिब्बे के डिब्बे खाली कर दिए, पर एनर्जी के नाम पर उसे केवल शुगर मिली। फिर एक फेयरनेस क्रीम आई,जिसने दावा किया कि सफलता का रास्ता मेलेनिन को मारने से होकर गुजरता है। पिंटू ने चेहरे पर इतना लेप लगाया कि उसकी अपनी माँ उसे पहचान नहीं पाई। विज्ञापनदाता जानते थे कि पिंटू को सामान नहीं, बल्कि हीनभावना बेचनी है। उन्होंने उसे बताया कि उसके जूतों की आवाज सस्तेपन का अहसास कराती है और उसके फोन का कैमरा गिरे हुए स्टेटस का प्रतीक है। पिंटू ने अपनी मेहनत की सारी कमाई उन चीजों पर खर्च कर दी जिनकी उसे जरूरत नहीं थी, उन लोगों को दिखाने के लिए जो उसे जानते तक नहीं थे। एक दिन पिंटू ने आईने में देखा, तो उसे वहां कोई इंसान नहीं, बल्कि एक चलता-फिरता विज्ञापन दिखा। उसकी शर्ट पर कंपनी का नाम था,जूतों पर लोगो था,और दिमाग में विज्ञापन की टैगलाइन्स। जब पिंटू की जेब खाली हो गई,तो विज्ञापनों ने उसे लोन के विज्ञापन दिखाने शुरू कर दिए। अब पिंटू अपनी किस्तों के लिए जी रहा था। उसे समझ आया कि उसने अपनी मौलिकता को ब्रांड के नाम पर नीलाम कर दिया है, और अब वह समाज के उस शोरूम का एक हिस्सा है जहाँ इंसान नहीं, केवल प्राइस टैग बसते हैं।

नकली दूध घी से कार्बाइड वाले फल तक हर जगह मिलावट

पंकज शर्मा

नकली दूध-घी की फैक्ट्री का पकड़ा जाना,फलों और सब्जियों में इंजेक्शन लगाना क्या हमारे विकसित होने की निशानी है? आप कहेंगे क्या पागल जैसे सवाल पूछ रहा है! सही कहा मैं तब वाकई पागल ही हो जाता हूं जब ऐसी खबरों को सुनता पढ़ता या देखता हूं। खाद्य पदार्थों में मिलावट करना कानूनन अपराध है मगर इन मिलावट खोरों की जानबूझ कर अनदेखी करना,उनसे इन संगीन जानलेवा अपराधों को पकड़े जाने पर रिश्वत लेकर छोड़ देना इस मिलावट के अपराध से भी बड़ा अपराध है।जो शासन प्रशासन में बैठे हमारे कथित भाग्य विधाता हैं,वे अपनी जेबें, तिजोरियां भरने में लिप्त हैं। यदि हम इस पर यह तर्क सुनें कि जनसंख्या बढ़ने के कारण यह स्थिति निर्मित हुई है तो प्रथम तो यह कुतर्क ही माना जाएगा।यह नेताओं,अधिकारियों का नैतिक दायित्व है कि वे समाज को खाद्य पदार्थों के नाम पर विष देने वालों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्यवाही क्यों नहीं करते?

देश की भोली भाली जनता की आज यह स्थिति है कि वह खामोशी से इस अत्याचार को सह रही है। लगता है, उसने इस स्थिति को अपनी नियति ही मान लिया है। देश के नेताओं के एक सूत्रीय कार्यक्रम कि देश में केवल उन्हीं का राज कायम रहे और इस लक्ष्य की प्राप्ति में वे किसी को भी बाधक नहीं बनने देना चाहते !चाहे वे मिलावट खोर ही क्यों न हों। केवल औपचारिकता के नाम पर खाद्य अधिकारियों द्वारा खानापूर्ति करने के नाम पर सैंपल लेने की प्रक्रिया की जाती है, उसके पश्चात जनता भी खुश और अधिकारी भी सुखी। उन्हें उनकी जेबों की गर्मी खामोश कर देती हैं।परिणाम जनता लाइलाज रोगों से ग्रसित पीड़ा भोग रही होती है।

देश में खाद्य विभाग तो बना है लेकिन इस विभाग में कर्मचारियों ,अधिकारियों की संख्या देखेंगे तो हैरान रह जाएंगे।एक अधिकारी के पास तीन तीन जिलों का प्रभार है! अब आप सोचिए कि एक चना भाड़ फोड़ सकता है?इतने अहम विषय पर सरकार का इस तरह उदासीन होना क्या दर्शाता है?

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

अंबिकापुर में अवैध प्लास्टिक...पटाखा गोदाम में आग

सामाजिक कार्यकर्ताओं की शिकायत,सख्त कार्रवाई की मांग

राम मंदिर रोड की घटना से मचा हड़कंप,बिना अनुमति संचालन और लापरवाही के आरोप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर के राम मंदिर रोड स्थित एक प्लास्टिक एवं पटाखा गोदाम में लगी आग के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है,घटना के बाद स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन को लिखित शिकायत सौंपते हुए आरोप लगाया है कि गोदाम बिना वैध अनुमति के संचालित हो रहा था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण यह हादसा हुआ। मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई गई है। अंबिकापुर की यह घटना एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करती है कि अवैध रूप से संचालित गोदाम और सुरक्षा नियमों की अनदेखी कितनी खतरनाक साबित हो सकती है,अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और क्या भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाते हैं।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार,राम मंदिर रोड, अंबिकापुर में स्थित एक गोदाम में प्लास्टिक सामग्री और पटाखों का भंडारण किया जा रहा था, बताया जा रहा है कि 23 अप्रैल 2026 को दोपहर के समय अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई,गोदाम में ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैल गई और आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उठाई आवाज- घटना के बाद सामाजिक कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से आवेदन देकर इस मामले की जांच की मांग की है,उन्होंने आरोप लगाया है कि गोदाम संचालक की लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के कारण यह हादसा हुआ,आवेदन में दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है।

बिना अनुमति संचालन का आरोप

शिकायत में कहा गया है कि संबंधित गोदाम बिना शासन-प्रशासन की वैध अनुमति के संचालित हो रहा था,साथ ही,सुरक्षा मानकों का भी पालन नहीं किया जा रहा था, जिससे इस तरह की घटना की आशंका पहले से बनी हुई थी, स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस संबंध में पहले भी शिकायतें की गई थीं, लेकिन कार्रवाई नहीं की गई।

आगजनी से बड़ा खतरा टला

घटना के समय गोदाम में बड़ी मात्रा में पटाखे और प्लास्टिक सामग्री मौजूद थी, यदि आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता,तो यह हादसा और भी गंभीर रूप ले सकता था,फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया।

कानूनी कार्रवाई की मांग

शिकायतकर्ताओं ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करने की मांग की है, साथ ही विस्फोटक अधिनियम के प्रावधानों के तहत भी कार्रवाई की बात कही गई है,क्योंकि गोदाम में पटाखों का भंडारण किया जा रहा था।

प्रशासन पर भी उठे सवाल

इस घटना ने प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते कार्रवाई की गई होती, तो इस तरह का हादसा टाला जा सकता था।

राममंदिर के सामने प्लास्टिक दुकान में आगजनी प्रकरण की जांच हेतु संयुक्त दल गठित : अम्बिकापुर शहर में राममंदिर के सामने स्थित मुकेश प्लास्टिक दुकान में हुई आगजनी की घटना को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त जांच दल का गठन किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सरगुजा द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर सात दिवस के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 अप्रैल 2026 को उक्त स्थल पर आगजनी की घटना घटित हुई थी,जिसके परिप्रेक्ष्य में पुलिस अधीक्षक सरगुजा के पत्र के आधार पर पुलिस,जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को सम्मिलित करते हुए जांच दल गठित किया गया है। गठित जांच दल में अनुविभागीय दण्डाधिकारी अम्बिकापुर,नगर पुलिस अधीक्षक अम्बिकापुर,क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला के प्रतिनिधि, जिला नगर सेना तथा नगर पालिक निगम के कार्यपालन अभियंता को शामिल किया गया है। जिला दण्डाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है कि जांच दल घटना के सभी पहलुओं की विस्तृत जांच कर सात दिवस के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें,ताकि आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

कलेक्टर ने शहर से बाहर फटाका गोदाम शिफ्ट करने के दिए निर्देश,7 दिवस में मांगी जांच रिपोर्ट

कलेक्टर अजीत वसंत ने नगर में संचालित फटाका गोदामों के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। कलेक्टर महोदय द्वारा निर्देशित किया गया है कि नगर अम्बिकापुर के सभी फटाका दुकानों के भण्डारण/गोदामों को शहर से बाहर शिफ्ट किया जाए। जारी निर्देशानुसार नगर अम्बिकापुर में कुल 08 स्थाई फटाका लायसेंसधारी एवं 02 फटाका निर्माण के लायसेंसधारी संचालित हैं। इनमें मो0 जुनैद,श्री सतीश कुमार जैन,श्री विनोद कुमार जैन,श्री रोशनलाल गोयल,श्री आशीष कुमार अग्रवाल,श्री अजय कुमार गोयल,श्री गौरीशंकर पाण्डेय,श्री मुकेश कुमार अग्रवाल (दो प्रविष्टियां,जिनमें एक फटाका निर्माण हेतु) तथा श्री मनोज कुमार मारू (फटाका निर्माण हेतु) शामिल हैं। अनुविभागीय दण्डाधिकारी अम्बिकापुर को निर्देशित किया गया है कि संबंधित सभी फटाका गोदामों का निरीक्षण कर निम्न बिन्दुओं पर जांच सुनिश्चित करें-

(1) क्या ये सभी गोदाम रिहायसी क्षेत्र में स्थित हैं।
(2) क्या गोदाम तक आकस्मिक स्थिति में अग्निशमन वाहन के पहुंचने हेतु पर्याप्त मार्ग उपलब्ध है।
(3) क्या वर्तमान में लायसेंस की शर्तों का पालन किया जा रहा है।
(4) यदि जांच के दौरान अवैध भण्डारण अथवा घनी आबादी के बीच गोदाम पाए जाते हैं तो वैधानिक कार्यवाही करते हुए उन्हें स्थानांतरित कराया जाए।

निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि समस्त फटाका गोदामों का निरीक्षण कर 07 दिवस के भीतर विस्तृत जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करना सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

अवैध अंग्रेजी शराब तस्करी में एक आरोपी गिरफ्तार,95 लीटर शराब और कार जब्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में अवैध शराब बिक्री और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सीतापुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 95 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब और तस्करी में प्रयुक्त एक कार जब्त की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 23 अप्रैल 2026 को थाना सीतापुर पुलिस रात्रि गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि रेनॉल्ट काइगर कार क्रमांक CG 15 DV 7455 में अवैध अंग्रेजी शराब का परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने एनएच-43 प्रतापगढ़ सड़कपारा मुख्य मार्ग पर घेराबंदी कर वाहन को रोका। वाहन की तलाशी लेने पर कार की पिछली सीट और डिक्की से मेडॉफ व्हीस्की 48 नग तथा गोवा स्पेशल व्हीस्की 480 नग बरामद हुई। जब्त शराब की कुल मात्रा लगभग 95 लीटर तथा अनुमानित कीमत 65,280 बताई गई है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम सूरज गुप्ता (34 वर्ष), निवासी लुंड्रा,सरगुजा बताया। आरोपी शराब परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना सीतापुर में अपराध क्रमांक 144/2026 के तहत धारा 34(2) आबकारी एक्ट में मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अखिलेश सिंह सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

5.79 अरब का निगम बजट पेश,सभा में हंगामा....

तालाब अतिक्रमण,अग्निकांड और पेयजल पर गरमाई चर्चा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

नगर निगम की सामान्य सभा की बैठक शुक्रवार को निगम कार्यालय में आयोजित हुई, जिसमें महापौर मंजूषा भगत ने वर्ष 2026-27 के लिए 5.79 अरब रुपये का बजट पेश किया। बजट प्रस्तुति के दौरान विपक्ष ने प्रक्रिया और समय को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया। नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने कहा कि बजट नियमानुसार पेश होना चाहिए, लेकिन पार्षदों को इसे समझने के लिए केवल 15 मिनट का समय दिया गया। इतने कम समय में बजट का अध्ययन संभव नहीं है। उन्होंने इसे पार्षदों के अधिकारों का हनन बताया। प्रश्नकाल के दौरान शहर के तालाबों पर अतिक्रमण, हालिया अग्निकांड और पेयजल संकट जैसे मुद्दों पर जमकर बहस हुई। सत्ता पक्ष के पार्षद आलोक दुबे और अशोक सोनवानी ने शहर के तालाबों पर हो रहे अतिक्रमण का मुद्दा उठाया। आलोक दुबे ने कहा कि शहर में 19 तालाब हैं, जिनका रकबा लगातार घट रहा है और भू-माफिया कब्जा कर रहे हैं। एमआईसी सदस्य मनीष सिंह ने तालाबों के सीमांकन की मांग की। इस पर सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी ने जिला प्रशासन को सीमांकन के लिए पत्र लिखने के निर्देश दिए।

पीएम आवास पर सवाल,हितग्राही इंतजार में...

नगर निगम क्षेत्र में बन रहे पीएम आवास को लेकर भी सत्ता और विपक्ष दोनों ने सवाल उठाए। पार्षद आलोक दुबे ने कहा कि हितग्राही अब तक गृह प्रवेश का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने निर्माण प्रक्रिया और जटिलताओं पर भी सवाल खड़े किए।

अग्निकांड मामले की जांच के लिए कमेटी गठित : सामान्य सभा में शहर में हुए भीषण अग्निकांड के मामले में जांच के लिए निगम के सभापति की सहमति से सात सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया गया है, इसमें सत्ता पक्ष से 4 और विपक्ष से 3 पार्षदों को शामिल किया गया है। महापौर ने जांच टीम में सत्ता पक्ष की ओर पार्षद श्वेता गुप्ता, मनोज गुप्ता,विकास पांडेय,राहुल त्रिपाठी और नेता प्रतिपक्ष ने पार्षद पपिन्दर सिंह, शुभम जायसवाल और बाबर इदरिश को शामिल किया है। निगम के सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी ने 15 दिवस के अंदर जांच रिपोर्ट पेश करने के साथ निगम के अमले को निर्देशित किया है कि,अगर मिलीभगत से किसी को लाइसेंस जारी किया गया है, तो इसे नियमानुसार निरस्त करने की कार्रवाई की जाए। हालिया अग्निकांड के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाते हुए पूछा कि शहर में पटाखा और विस्फोटक सामग्री के लाइसेंसधारियों की सूची क्या है। इस पर निगम आयुक्त डीएन कश्यप ने बताया कि निगम के पास ऐसी कोई सूची उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि ट्रेड लाइसेंस पंजीकरण के बाद ही पूरी जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। इस पर पार्षदों ने नाराजगी जताते हुए इसे गंभीर लापरवाही बताया।

'31 मार्च तक बजट पेश करना अनिवार्य' : नेता प्रतिपक्ष ने अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि बजट का प्रारूप 30 नवंबर तक तैयार होना चाहिए, ताकि एमआईसी समीक्षा कर सके और पार्षदों को 15 जनवरी से 15 फरवरी तक अध्ययन का समय मिल सके। उन्होंने कहा कि 31 मार्च तक बजट पेश करना अनिवार्य है, अन्यथा यह केवल औपचारिक दस्तावेज बनकर रह जाता है। साथ ही आय-व्यय का अंकेक्षण रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने की मांग की गई।

टीकाकरण,रोग नियंत्रण और खाद्य सुरक्षा में निभाते अहम भूमिका

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

वर्ल्ड वेटरनरी एसोसिएशन के आह्वान पर प्रत्येक वर्ष अप्रैल माह के चौथे शनिवार को विश्व पशु चिकित्सा दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष यह 25 अप्रैल को मनाया जा रहा है। इस बार की थीम है– 'पशु चिकित्सक बराबर भोजन और स्वास्थ्य के संरक्षक '। अतिरिक्त उप संचालक पशुपालन विभाग डॉ. सीके मिश्रा ने बताया कि पशु चिकित्सक केवल पशुओं का इलाज ही नहीं करते,बल्कि खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में पशुपालन किसानों की आय का प्रमुख स्रोत है। पशुओं के स्वस्थ रहने से दूध,अंडा और मांस उत्पादन बढ़ता है,जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। पशु चिकित्सक नियमित टीकाकरण के जरिए पशुओं को बीमारियों से बचाते हैं और किसानों को नुकसान से बचाते हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित करते हैं कि पशु उत्पाद सुरक्षित और रोगमुक्त हों। वे रेबीज,ब्रुसेलोसिस और बर्ड फ्लू जैसी पशुजन्य बीमारियों की रोकथाम में भी अहम भूमिका निभाते हैं, जो पशुओं से मनुष्यों में फैल सकती हैं। देश में बढ़ती आबादी के बीच पौष्टिक भोजन की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत आज दूध उत्पादन में विश्व में अग्रणी है और अंडा उत्पादन में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। इसमें पशु चिकित्सकों का महत्वपूर्ण योगदान है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि पशु चिकित्सक नस्ल सुधार, रोग नियंत्रण और उत्पादन वृद्धि के जरिए न केवल पशुपालन को सशक्त बना रहे हैं,बल्कि समाज के स्वस्थ भविष्य को भी सुनिश्चित कर रहे हैं।

स्वास्थ्य-शिक्षा पर रहेगा फोकस,डीएमएफ बैठक में बनी कार्ययोजना

मंत्री राजेश अग्रवाल की मौजूदगी में अंबिकापुर में शासी परिषद की बैठक, स्वीकृत और प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा

-संवाददाता-
अंबिकापुर,,24 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

पर्यटन,संस्कृति,धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल की मौजूदगी में शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) की शासी परिषद की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर अजीत वसंत ने की।

बैठक में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह, एसपी, डीएफओ सहित परिषद के सदस्य मौजूद रहे। सीईओ जिला पंचायत एवं सदस्य सचिव विनय अग्रवाल ने वर्ष 2016-17 से 2025-26 तक डीएमएफ मद से स्वीकृत, पूर्ण और प्रगतिरत कार्यों की जानकारी दी।

स्वास्थ्य,शिक्षा और पेयजल कार्यों पर चर्चा

बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, पर्यावरण संरक्षण, कृषि, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास तथा स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि डीएमएफ राशि का उपयोग प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में किया जाए।

उन्होंने पूर्व में स्वीकृत कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही सुपर-30 कोचिंग के जरिए विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने पर जोर दिया।

पंचवर्षीय योजना के लिए मांगे प्रस्ताव

कलेक्टर अजीत वसंत ने बताया कि नए नियमों के अनुसार पंचवर्षीय कार्ययोजना के लिए विभागों से प्रस्ताव मंगाए गए हैं। डीएमएफ राशि का नियमानुसार उपयोग कर विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के ऑडिट और वार्षिक प्रतिवेदन के अनुमोदन पर भी चर्चा हुई।

कृषि क्षेत्र में विशेष फोकस की मांग

लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कृषि क्षेत्र में विशेष ध्यान देने और विभागों को जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर प्रस्ताव तैयार करने को कहा। उन्होंने कहा कि राशि का बेहतर उपयोग जनहित में होना चाहिए।

स्वास्थ्य केंद्रों में अव्यवस्था पर सख्ती,कई कर्मचारियों को नोटिस

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति सुधारने के लिए संयुक्त संचालक डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने शुक्रवार को विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई जगहों पर भारी अव्यवस्था और कर्मचारियों की अनुपस्थिति सामने आई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उदारी में सुबह 11 बजे निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई की स्थिति खराब पाई गई और दवाओं का रख-रखाव भी संतोषजनक नहीं था। यहां चिकित्सा अधिकारी डॉ. एमएस तोमर, कंप्यूटर ऑपरेटर शोएब और एक सफाई कर्मचारी अनुपस्थित मिले। सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही क्षेत्र सहायक अधिकारी लक्ष्मण गुप्ता को तीन दिनों के भीतर मूल पदस्थापना स्थल पर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं, अन्यथा निलंबन की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रघुनाथपुर में भी इसी तरह की खामियां मिलीं। सफाई व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए गए हैं। वार्ड बॉय यन्तेश्वर राजवाड़े तीन दिनों से बिना सूचना अनुपस्थित पाए गए,जिन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

तपती पथरीली दीवारों के बीच सिसकती प्यास...बेजुबान क्या जानें कि उनके हिस्से का पानी तो फाइलों में बह गया

भ्रष्टाचार ने सुखाया वन्यजीवों का हलक : बूंद भर पानी को तरसते जानवर और उनके सामने खड़ा कंक्रीट का सफेद हाथी

सूखते जलस्रोत के बीच आग से धधकते जंगल : गुरुघासीदास टाइगर रिजर्व पर संकट

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,24 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। प्रदेश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान,'गुरुघासीदास नेशनल पार्क' पिछले कुछ सालों से कुप्रबंधन और प्राकृतिक मार की दोहरी मार झेल रहा है, एक तरफ आसमान से बरसती आग ने जंगलों को खाक कर दिया है, वहीं दूसरी ओर पानी की बूंद-बूंद को तरसते वन्य प्राणी रिहाइशी इलाकों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं, विडंबना यह है कि वन्यजीवों की प्यास बुझाने के नाम पर बनाए गए 'स्टाफ डैम' भ्रष्टाचार की भेंट चढ़कर महज शो-पीस बनकर रह गए हैं।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़े जल संरक्षण के प्रयास

पार्क के सोनहत, रामगढ़, जनकपुर और रेहण्ड क्षेत्रों में स्थिति भयावह है, विभाग द्वारा लाखों की लागत से बनाए गए स्टाफ डैमों में पानी का नामोनिशान नहीं है। ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि:

गुणवत्ता विहीन निर्माण

घटिया सामग्री के प्रयोग के कारण डैमों में पानी नहीं ठहर रहा है।

गलत स्थल चयन

बिना किसी तकनीकी सर्वे के अनुपयुक्त स्थानों पर डैम बना दिए गए, जो अब 'सफेद हाथी' साबित हो रहे हैं।

सरकारी धन का दुरुपयोग

नए बन रहे बांधों की गुणवत्ता भी संदेह के घेरे में है, जिससे भविष्य में भी जल संकट गहराने की पूरी आशंका है।

आग की लपटों में वन्य संपदा,बेबस प्रबंधन

रेगुलर फारेस्ट के अलावा पार्क के विभिन्न परिक्षेत्रों जैसे धनपुर, कुर्थी, कछाड़ी मझगवां और देवगढ़ वन परिक्षेत्र के जंगलों में लगी आग ने जैव विविधता को भारी नुकसान पहुँचाया है, सूत्रों के अनुसार, विभाग का पूरा ध्यान केवल निर्माण कार्यों और बंदरबांट में लगा है, जिसके कारण 'फायर वाचिंग' की व्यवस्था केवल कागजों तक सिमट गई है, आग से न केवल बेशकीमती वन संपदा जलकर राख हो रही है, बल्कि छोटे वन्यजीवों और उनके आवासों का भी नामोनिशान मिट रहा है।

टाइगर प्रोजेक्ट की सफलता पर उठते सवाल

आगामी 'गुरुघासीदास तमोर पिंगला टाइगर प्रोजेक्ट' को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन धरातल की हकीकत इसके उलट है। यदि उद्यान में पानी और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं ही उपलब्ध नहीं होंगी, तो बाघों का संरक्षण कैसे संभव होगा? लगातार बढ़ती आग की घटनाएं और सूखते प्राकृतिक स्रोत इस महात्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की सफलता पर प्रश्नचिह्न लगा रहे हैं।

सूखे कंठ और खाली स्टापडेम,तालाबः करोड़ों का बजट,बूंद भर पानी नहीं...

विडंबना देखिए कि पिछले सत्र में जल संरक्षण के नाम पर सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये बहा दिए गए, लेकिन आज उन स्टाफ डैमों में चुल्लू भर पानी भी मयस्सर नहीं है, कागजों पर जलक्रांति का दावा करने वाले ये निर्माण धरातल पर धूल फांक रहे हैं, गुणवत्ता से इस कदर समझौता किया गया है कि पहली ही बारिश के बाद इन बांधों की दरारें चीख-चीख कर भ्रष्टाचार की कहानी बयां करने लगीं। न तो पानी रोकने की कोई तकनीकी दूरदर्शिता दिखाई गई और न ही निर्माण में ईमानदारी बरती गई, आलम यह है कि वन्यजीव प्यास बुझाने के लिए इन कंक्रीट के ढांचों के पास जाते तो हैं, लेकिन वहां पानी के बजाय सिर्फ सूखी मिट्टी और तपते पत्थर ही मिलते हैं, करोड़ों की लागत से बने ये डैम आज वन्यजीवों के लिए नहीं, बल्कि केवल ठेकेदारों और अधिकारियों के लिए 'कामधेनु' साबित हुए हैं, जबकि बेजुबान जानवर आज भी अपनी प्यास के लिए आसमां की ओर ताकने को मजबूर हैं।

अग्निपरीक्षा : नव पदस्थ रेंजरों के कंधों पर 'गुरुघासीदास' व रेगुलर का भविष्य,क्या बदलेंगे ढर्रा या सिस्टम में हो जाएंगे गुम?

गुरुघासीदास नेशनल पार्क में जारी इस संकट के बीच, हाल ही में पदभार संभालने वाले नए रेंजरों के लिए यह सीजन किसी 'अग्निपरीक्षा' से कम नहीं है। एक ओर धधकते जंगल की लपटों को शांत करने की चुनौती है, तो दूसरी ओर सूखे की मार झेल रहे वन्यजीवों के अस्तित्व को बचाना। प्रशासनिक हलकों में अब यह सवाल बड़े जोर-शोर से तैर रहा है कि क्या ये युवा और ऊर्जावान अधिकारी अपनी कार्यकुशलता से पार्क की तस्वीर बदल पाएंगे?

चुनौतियां और उम्मीदें...

नवनियुक्त रेंजरों के सामने सबसे बड़ी चुनौती उस 'पुराने ढर्रे' और 'भ्रष्टाचार के तंत्र' को तोड़ने की है, जिसकी वजह से करोड़ों के बजट के बाद भी स्टाफ डैम प्यासे पड़े हैं। फील्ड पर 'फायर वाचिंग' को कागजों से निकालकर धरातल पर उतारना और विभागीय बंदरबांट पर लगाम कसना उनके लिए पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

सवालों के घेरे में भविष्य...

ग्रामीणों की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या ये नए अधिकारी फील्ड पर उतरकर इन सूखे तालाबो और जलती वन संपदा का वास्तविक मुआयना करेंगे, या फिर पूर्ववर्तियों की तरह केवल दफ्तरों में बैठकर 'सब चंगा' की रिपोर्ट तैयार करेंगे, यह सीजन उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित होगा। यदि वे इन विपरीत परिस्थितियों में वन्यजीवों को राहत पहुँचाने और जंगलों को बचाने में सफल होते हैं, तो यह पार्क के लिए नया जीवनदान होगा। अन्यथा, आशंका यही है कि व्यवस्था की इस सड़ांध में वे भी पुराने ढर्रे का हिस्सा बनकर न रह जाएं।

उत्कृष्ट पार्षद के लिए नवीन सर्व सोनार समाज ने किया पार्षद विशवास का सम्मान

-संवाददाता-

राजपुर,24 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। नवीन सर्व सोनार समाज राजपुर द्वारा निर्दलीय निर्वाचित वार्ड पार्षद विशवास कुमार गुप्ता का सोनार समाज भवन में स्वागत एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान समाज के लोगों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज के अध्यक्ष सुरेश सोनी ने कहा कि पार्षद विशवास गुप्ता का यह निर्दलीय पार्षद के रूप में दूसरा कार्यकाल है। अपने प्रथम कार्यकाल में उन्होंने समाज को सामाजिक रूप से फर्नीचर उपलब्ध कराया था। वहीं दूसरे कार्यकाल में समाज भवन के लिए सीसीटीवी कैमरा एवं वातानुकूलित मशीन उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि वार्ड पार्षद विशवास गुप्ता समाज के साथ-साथ व्यक्तिगत रूप से भी नागरिकों की समय-समय पर मदद करते रहे हैं। समाज के सभी लोग उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। सम्मान समारोह में रामाशीष सोनी, अनिल सोनी, संतोष सोनी, बंधु सोनी, बृजमोहन सोनी, लल्लू सोनी, अमन सोनी, शंकर सोनी, संजीत सोनी, शिव सोनी, रामावतार सोनी, गोपाल सोनी, लवकुश सोनी, सुरेंद्र सोनी, सुनील सोनी, संतोष बिहारी, आकाश सोनी, श्यामलाल सोनी, रघुनाथ सोनी सहित दर्जनों समाजजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर पार्षद विशवास कुमार गुप्ता ने कहा कि आप सभी ने जो स्नेह मुझ पर बनाए रखा है, वह हमेशा बरकरार रखें। मेरी पूरी कोशिश रहेगी कि मैं आप सभी की उम्मीदों पर खरा उतर सकूं।

गौ-हत्या प्रकरण में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें राजसात करने के आदेश

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,24 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। जिले में गौ-हत्या से जुड़े एक गंभीर प्रकरण में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए प्रकरण में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलों को राजसात करने के आदेश जारी किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना सीतापुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम राजापुर में गौ-हत्या कर मांस को काटकर विक्रय किए जाने के प्रयास की सूचना पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को देखकर आरोपी फरार हो गए, वहीं घटनास्थल से साक्ष्य के रूप में दो मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि उक्त वाहन अवैध कृत्य में संलिप्त थे। पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर ने अधीक्षक सरगुजा द्वारा जप्त दो नग मोटर सायकल, जिसमें एक नग बजाज पल्सर मोटर सायकल क्रमांक CG15EB3410 दूसरा वाहन जो कि बिना नम्बर मोटर सायकल चेचिस MBLHA11ATG4L10283 इंजन नं. HA11EJG4L10588 जिसके आधार पर उक्त वाहन का रजिस्ट्रेशन नम्बर CG13W3758 पंजीबद्ध है।

चोरी के शक में युवक को बनाया 'सजा का तमाशा' बाल काटकर गांव में घुमाया,9 आरोपी गिरफ्तार

रामानुजनगर पुलिस की कार्रवाई-गाली-गलौज,धमकी और अपमान के मामले में दर्ज हुआ केस

-संवाददाता-

सूरजपुर,24 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले के रामानुजनगर थाना क्षेत्र में एक बेहद शर्मनाक और अमानवीय घटना सामने आई है, जहां चोरी के शक में एक युवक को न सिर्फ गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी गई, बल्कि उसे सार्वजनिक रूप से अपमानित करते हुए बाल काटकर माला पहनाकर गांव में घुमाया गया। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रामानुजनगर की इस घटना ने समाज में कानून और मानवाधिकारों के महत्व को फिर से रेखांकित किया है, पुलिस की त्वरित कार्रवाई से जहां पीड़ित को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है, वहीं यह संदेश भी गया है कि इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

क्या है पूरा मामला-घटना 23 अप्रैल 2026 की बताई जा रही है। ग्राम कल्याणपुर निवासी मोहम्मद रहमान ताज ने थाना रामानुजनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसी दिन करीब दोपहर 1 बजे ग्राम पस्ता के कुछ लोगों ने उसे बुलाया, वहां पहुंचने पर उस पर सोलर पैनल का तार चोरी करने का आरोप लगाया गया, इसके बाद आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और उसके साथ अभद्र व्यवहार किया।

सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया- पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपियों ने उसके बाल काट दिए, उसे माला पहनाई और पूरे गांव में घुमाकर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया, इस घटना ने न केवल व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचाई, बल्कि समाज में कानून व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस ने दर्ज किया मामला- प्रार्थी की शिकायत के आधार पर थाना रामानुजनगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 113/26 के तहत मामला दर्ज किया, मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं–296, 351(3), 115(2), 191(2), 133, 126 और 74–के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

9 आरोपी गिरफ्तार- पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की और दबिश देकर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, गिरफ्तार आरोपियों में विश्वनाथ सिंह (42 वर्ष), गोलचंद राजवाड़े (33 वर्ष), पूरन राम प्रजापति (42 वर्ष), रामसाय सिंह (54 वर्ष), कलेश्वर राम (45 वर्ष), बालसाय राजवाड़े (59 वर्ष), भज्जू सिंह (76 वर्ष), हीरासाय राजवाड़े (35 वर्ष) और हरवंश राजवाड़े (37 वर्ष) शामिल हैं, सभी आरोपी ग्राम पस्ता, थाना रामानुजनगर के निवासी हैं।

पूछताछ में किया जुर्म कबूल- पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान सभी आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है, इसके बाद उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कानून अपने हाथ में लेना पड़ा भारी- यह मामला एक बार फिर यह दर्शाता है कि कानून को अपने हाथ में लेना कितना गंभीर अपराध है, सिर्फ शक के आधार पर किसी व्यक्ति के साथ इस तरह का व्यवहार न केवल गैरकानूनी है, बल्कि सामाजिक रूप से भी निंदनीय है।

जिले में पेट्रोल,डीजल एवं एलपीजी की आपूर्ति पर्याप्त,अफवाहों से दूर रहने की अपील...

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,24 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। जिले में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य एवं पर्याप्त है। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से ईंधन का संग्रहण न करें। जिला खाद्य अधिकारी द्वारा बताया गया है कि तेल कंपनियों से पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी गैस की आपूर्ति नियमित रूप से प्राप्त हो रही है। राज्य स्तर पर भी इन आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है तथा कहीं भी कमी की स्थिति नहीं है। जिले में पेट्रोल-डीजल की कमी को लेकर कुछ मीडिया माध्यमों में प्रसारित खबरों को निराधार बताया गया है। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि सरगुजा जिले में पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है, इसलिए नागरिकों को घबराने या अनावश्यक रूप से अधिक मात्रा में पेट्रोल-डीजल भरवाने की आवश्यकता नहीं है। जिले में वर्तमान में 77 पेट्रोल/डीजल पंप एवं 17 गैस एजेंसियां संचालित हैं, जिनके माध्यम से उपभोक्ताओं को पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति सुचारू रूप से की जा रही है।

जशपुर में पुलिस की बड़ी कार्रवाईःउड़ीसा से आ रहा 49 लाख रुपये का गांजा जब्त, नाबालिग समेत 4 तस्कर गिरफ्तार

-संवाददाता-

जशपुर,24 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। जशपुर पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उड़ीसा से लाया जा रहा करीब 49 लाख रुपये मूल्य का गांजा जब्त किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने एक नाबालिग सहित चार तस्करों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि उड़ीसा से गांजे की बड़ी खेप जिले में लाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोका और तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया।

जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 49 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने मामले में वाहन को भी जब्त कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि तस्करी का नेटवर्क किन-किन क्षेत्रों तक फैला हुआ है और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। जशपुर पुलिस की इस कार्रवाई को नशे के कारोबार पर बड़ी चोट माना जा रहा है।

मोटरसाइकिल चोरी और आगजनी मामले में आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-

बलरामपुर,24 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी एवं आगजनी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी जय सिंह (36 वर्ष) निवासी चिलमा, थाना राजपुर ने 21 अप्रैल 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी मोटरसाइकिल क्रमांक CG 30 C 2167 को किसी अज्ञात व्यक्ति ने घर के आंगन से चोरी कर लिया। बाद में साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से वाहन में आग लगा दी गई। मामले में अपराध दर्ज कर राजपुर पुलिस ने जांच शुरू की। विवेचना के दौरान घटनास्थल निरीक्षण, गवाहों के बयान तथा मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर संदेही की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने अजय कुमार चेरवा (23 वर्ष) निवासी भेंडरी, थाना पस्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उसने अपराध करना स्वीकार कर लिया।

नाम बड़ा,भीड़ तैयार...पर टिकट का इंतजार : रनई के 'टाइगर' योगेश शुक्ला की अधूरी राजनीतिक कहानी

जमींदारी से जननेता तक का सफर,62वें जन्मदिन पर शक्ति प्रदर्शन-पर अब भी 'मौके' की तलाश जारी

- भीड़ साथ,पहचान मजबूत...पर टिकट अब भी दूर...रनई के टाइगर का इंतजार
- 62वें जन्मदिन पर शक्ति प्रदर्शन,पर 'मौके' की फाइल अब भी लंबित
- नाम,काम और जनसमर्थन सब मौजूद–फिर भी क्यों नहीं मिला मौका?
- रनई के जमींदार से 'टाइगर' तक,पर राजनीति में मौका अधूरा
- भीड़ की दहाड़,पर टिकट पर सन्नाटा योगेश शुक्ला की कहानी
- जन्मदिन बना शक्ति प्रदर्शन,संदेश साफ–अब बारी पार्टी की
- राजनीति में पहचान पूरी, पर किस्मत आधी–मौके का इंतजार जारी
- दहाड़ तो गूंज रही है,पर टिकट की सीटी अब तक नहीं बजी
- समर्थन हजारों का, मौका शून्य–टाइगर की राजनीति का सच '
- भीड़ दिखी, ताकत दिखी...अब क्या बदलेगा पार्टी का रुख?

-रवि सिंह-

कोरिया,24 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। राजनीति में अक्सर यह कहा जाता है कि यहां पहचान से ज्यादा मायने 'मौके' का होता है, कई लोग बिना खास पहचान के आगे निकल जाते हैं, तो कई ऐसे भी होते हैं जिनके पास नाम, काम और जनसमर्थन सब कुछ होता है, लेकिन फिर भी वे उस एक मौके के इंतजार में रह जाते हैं, कोरिया जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता योगेश शुक्ला की कहानी भी कुछ ऐसी ही है जहां प्रसिद्धि की कोई कमी नहीं, भीड़ हर मंच पर साथ खड़ी है, लेकिन राजनीति का दरवाजा अब तक पूरी तरह नहीं खुल पाया है।

रनई : एक ऐसा गांव,जहां चुनाव नहीं,पहचान होती है...

योगेश शुक्ला का जन्म 24 अप्रैल 1964 को कोरिया जिले के ग्राम पंचायत रनई में हुआ, यह गांव अपने आप में एक अनोखी पहचान रखता है, आजादी के बाद से अब तक इस पंचायत में कभी चुनाव नहीं हुआ, यह तथ्य जितना चौंकाने वाला है, उतना ही इस गांव की सामाजिक संरचना को दर्शाता है, रनई गांव और योगेश शुक्ला–दोनों की पहचान एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, उन्हें इस क्षेत्र में 'रनई के जमींदार' के रूप में भी जाना जाता है, यह जमींदारी सिर्फ जमीन तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव का भी प्रतीक है।

नौकरी छोड़ राजनीति की राह : एक जोखिम भरा फैसला

शुक्ला ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही पूरी की और आगे चलकर शिक्षक की नौकरी भी की, लेकिन उनका झुकाव शुरू से ही जनसेवा और सामाजिक कार्यों की ओर था, उन्होंने एक स्थिर सरकारी नौकरी को छोड़कर राजनीति का रास्ता चुना–जो किसी भी आम व्यक्ति के लिए आसान निर्णय नहीं होता, यह वह दौर था जब राजनीति में प्रवेश का मतलब सिर्फ सत्ता नहीं, बल्कि संघर्ष और अनिश्चितता भी था, शुक्ला ने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा और इसी उम्मीद के साथ आगे बढ़ते रहे कि एक दिन उन्हें भी अवसर मिलेगा।

'टाइगर' की पहचान : आवाज जो भीड़ को बांध ले...

कोरिया जिले में योगेश शुक्ला को 'टाइगर' के नाम से जाना जाता है, यह नाम उन्हें उनके भाषणों और आक्रामक अंदाज के कारण मिला, जब भी वह किसी मंच पर बोलते हैं, उनकी आवाज और शैली लोगों का ध्यान खींच लेती है, उनकी दहाड़, उनके शब्द और उनका आत्मविश्वास–इन सबने मिलकर उनकी एक अलग छवि बनाई है, राजनीति में जहां कई नेता संतुलित भाषा का इस्तेमाल करते हैं, वहीं शुक्ला का अंदाज सीधे दिल और दिमाग पर असर डालता है।

प्रसिद्धि भरपूर,पर 'मौका' अधूरा

योगेश शुक्ला की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि उनके पास पहचान और लोकप्रियता की कोई कमी नहीं है, लेकिन उन्हें वह बड़ा मंच नहीं मिला,जिसकी उन्हें उम्मीद थी,वर्षों से वह कांग्रेस पार्टी के प्रति समर्पित रहे हैं,हर कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई है और संगठन के साथ मजबूती से खड़े रहे हैं,लेकिन टिकट की दौड़ में हर बार उनका नाम पीछे रह गया, राजनीति में यह एक आम लेकिन कड़वा सच है–जहां मेहनत और निष्ठा के साथ-साथ 'समय और समीकरण' भी अहम भूमिका निभाते हैं।

62वां जन्मदिन : भीड़ ने दिया संदेश

24 अप्रैल को बैकुंठपुर के मानस भवन में उनका 62वां जन्मदिन बड़े ही भव्य तरीके से मनाया गया, शुक्ला पेट्रोल पंप से लेकर मानस भवन तक गाड़ियों की लंबी कतारें यह बता रही थीं कि यह सिर्फ जन्मदिन नहीं, बल्कि एक शक्ति प्रदर्शन भी है,कार्यक्रम में हजारों लोगों की उपस्थिति रही, दूर-दूर से समर्थक पहुंचे, माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया और पूरे कार्यक्रम में उत्साह का माहौल बना रहा, यह आयोजन इस बात का प्रमाण था कि शुक्ला की लोकप्रियता सिर्फ नाम तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीन पर भी मजबूत है।

राजनीतिक दिग्गजों की मौजूदगी : संकेत साफ

इस आयोजन में कोरिया और अविभाजित कोरिया जिले के कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल हुए, पूर्व विधायक गुलाब कमरो, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष कृष्ण मुरारी तिवारी और कांग्रेस एमसीबी अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव जैसे नेताओं की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को और महत्वपूर्ण बना दिया, युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भी बड़ी संख्या में भागीदारी रही, जो यह दर्शाती है कि शुक्ला की पकड़ नई पीढ़ी में भी मजबूत है।

सोशल मीडिया पर भी दिखी लोकप्रियता

जन्मदिन के मौके पर सोशल मीडिया पर भी बधाइयों का सिलसिला जारी रहा, कांग्रेस के साथ-साथ भाजपा नेताओं और आम लोगों ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं, यह एक ऐसा दृश्य था, जहां राजनीतिक सीमाएं पीछे छूटती नजर आईं और व्यक्तिगत लोकप्रियता सामने आई।

शक्ति प्रदर्शन या दावेदारी का संदेश?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह आयोजन सिर्फ जन्मदिन नहीं, बल्कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए एक स्पष्ट संदेश भी था, इतनी बड़ी संख्या में लोगों का जुटना, नेताओं की मौजूदगी और आयोजन का भव्य स्वरूप यह संकेत देता है कि शुक्ला अपनी दावेदारी को मजबूत करना चाहते हैं, यह एक तरह से पार्टी नेतृत्व को यह दिखाने का प्रयास भी है कि उनके पास जनसमर्थन की कमी नहीं है।

राजनीति का गणित : जहां समीकरण बनाते हैं भविष्य

राजनीति में सिर्फ लोकप्रियता ही काफी नहीं होती, यहां जातीय समीकरण, क्षेत्रीय संतुलन, पार्टी रणनीति और कई अन्य कारक मिलकर निर्णय लेते हैं, संभव है कि इन्हीं कारणों से शुक्ला को अब तक मौका नहीं मिल पाया हो, लेकिन यह भी सच है कि लगातार सक्रियता और जनसमर्थन किसी भी नेता को नजरअंदाज करना आसान नहीं होता।

इंतजार की राजनीति : धैर्य की परीक्षा

योगेश शुक्ला का राजनीतिक सफर धैर्य का एक उदाहरण भी है, वर्षों से वह बिना किसी बड़े पद के पार्टी के लिए काम कर रहे हैं, उनका यह इंतजार सिर्फ टिकट का नहीं, बल्कि अपने संघर्ष की पहचान का भी है, राजनीति में जहां कई लोग अवसर न मिलने पर रास्ता बदल लेते हैं, वहीं शुक्ला अब भी उसी पार्टी के साथ खड़े हैं।

जनता की उम्मीदें... क्या इस बार बदलेगा फैसला?

उनके समर्थकों को उम्मीद है कि इस बार पार्टी नेतृत्व उनके योगदान और लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए उन्हें मौका देगा, 62वें जन्मदिन पर उमड़ी भीड़ ने यह संकेत दे दिया है कि अगर उन्हें मौका मिला, तो वह चुनावी मैदान में मजबूत दावेदार साबित हो सकते हैं।

कहानी अभी बाकी है...

योगेश शुक्ला की कहानी अभी अधूरी है, यह एक ऐसे नेता की कहानी है,जिसके पास पहचान है, समर्थन है,अनुभव है—लेकिन मौका अभी भी इंतजार में है,उनका 62 वां जन्मदिन एक संकेत जरूर है कि वह अब भी सक्रिय हैं और तैयार हैं,अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या पार्टी इस बार उनके धैर्य और समर्पण को पहचानती है,या फिर यह कहानी आगे भी 'प्रसिद्धि के साथ इंतजार' के रूप में चलती रहेगी, फिलहाल, रनई का यह 'टाइगर' मैदान में है,दहाड़ भी रहा है बस इंतजार है उस सीटी का,जो उसे असली मुकाबले में उतारे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर भाजपा का हमला कहा विपक्ष के स्वार्थ ने रोका ऐतिहासिक मौका

बैकुण्ठपुर प्रेसवार्ता में महापौर संजूदेवी राजपूत का बयान...महिलाओं की भागीदारी से तय होती देश की दिशा

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर24 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। बैकुण्ठपुर में भाजपा महिला मोर्चा की प्रेसवार्ता में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर सियासी तापमान तेज हो गया, कोरबा नगर निगम की महापौर संजूदेवी राजपूत ने इस अधिनियम को महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला, उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक कानून नहीं, बल्कि देश की राजनीति, दिशा और नियति तय करने वाला बदलाव है, जिसे विपक्ष ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते पूरा नहीं होने दिया। बैकुण्ठपुर में आयोजित इस प्रेसवार्ता ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर सियासी बहस को और तेज कर दिया है,भाजपा जहां इसे महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम बता रही है,वहीं विपक्ष पर राजनीतिक स्वार्थ का आरोप लगा रही है, अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले समय में यह मुद्दा किस दिशा में जाता है और क्या वाकई महिलाओं की भागीदारी को लेकर कोई ठोस कदम सामने आता है।

प्रेसवार्ता में जुटे भाजपा के कई चेहरे- विश्राम गृह बैकुण्ठपुर में आयोजित इस प्रेसवार्ता में भाजपा महिला मोर्चा और संगठन के कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे, कार्यक्रम में मुख्य रूप से महापौर संजूदेवी राजपूत के साथ जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रीता यादव, नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक और महिला मोर्चा जिला मंत्री आँचल सिंह परमार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नारी शक्ति भारत की पहचान,अधिनियम था ऐतिहासिक अवसर-महापौर संजूदेवी राजपूत ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की सभ्यता और लोकतंत्र में नारी शक्ति का विशेष स्थान रहा है, उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए देश की आधी आबादी को नीति-निर्धारण में सक्रिय भागीदारी देने का प्रयास किया गया था, उनके अनुसार, यह अधिनियम महिलाओं के लिए एक 'महायज्ञ' के समान था, जो देश को नई दिशा देने में सक्षम होता।

महिलाओं के प्रतिनिधित्व को कमजोर किया गया-उन्होंने स्पष्ट कहा कि विपक्ष के रुख के कारण महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को सबसे ऊंचे स्तर पर कमजोर किया गया है, राजपूत के अनुसार, महिलाओं को नीति निर्धारण की मेज पर जगह मिलने से रोका गया,जो देश के लोकतंत्र के लिए एक बड़ा झटका है।

विपक्ष पर सीधा आरोप : 'राजनीतिक स्वार्थ बना बाधा'- महापौर राजपूत ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि 30 वर्षों तक महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण में देरी करने वाला विपक्ष एक बार फिर उनके अधिकारों के रास्ते में खड़ा हो गया, उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए महिलाओं के हितों को नजरअंदाज किया और देश की महिलाओं को निराश किया।

यह राजनीतिक मुद्दा नहीं,सोच का सवाल- महापौर ने कहा कि यह विषय राजनीति से परे होना चाहिए था, लेकिन विपक्ष ने इसे भी राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखा, उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष का रवैया महिलाओं के प्रति नकारात्मक रहा है और यह उनके व्यवहार में भी साफ झलकता है।

पंचायत आरक्षण पर भी उठाए सवाल- राजपूत ने विपक्ष पर पंचायतों में महिलाओं के आरक्षण का श्रेय लेने पर भी सवाल उठाया, उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर आरक्षण इसलिए स्वीकार किया गया क्योंकि वहां उनकी राजनीतिक स्थिति को कोई खतरा नहीं था, लेकिन शीर्ष स्तर पर उन्होंने महिलाओं को आगे आने से रोका।

हर बार समर्थन का दिखावा,लेकिन शर्तों का खेल- महापौर ने कहा कि विपक्ष हमेशा इस बिल के समर्थन की बात करता रहा, लेकिन हर बार कोई न कोई शर्त जोड़ देता था, उन्होंने इसे 'समर्थन के नाम पर दिखावा' बताते हुए कहा कि असल में विपक्ष कभी भी इस बिल को पास नहीं होने देना चाहता था।

मोदी सरकार की योजनाओं का जिक्र- प्रेसवार्ता में महापौर राजपूत ने केंद्र सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि 2014 से पहले महिलाओं की स्थिति काफी चुनौतीपूर्ण थी, उन्होंने कहा कि महिलाओं को शौचालय, गैस कनेक्शन, पानी और आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ता था, मोदी सरकार ने इन क्षेत्रों में काम कर महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार किया है।

महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध- राजपूत ने कहा कि भाजपा के लिए यह मुद्दा राजनीतिक लाभ का नहीं,बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण का है, उन्होंने कहा कि पार्टी महिलाओं के अधिकार, सम्मान और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामबिलास अग्रवाल आ0 ध्वजाराम अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी सेठ बसंत लाल मार्ग विवेकानंद वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला-खजूरपारा, शीट नम्बर-नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3112 / 2 रकबा 0.07 एकड, भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो, अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 04.05.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा 7

आज दिनांकः- 16/4/26 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक फखरूददीन खान आ0 स्व0 अब्दुल रसीद खान, जाति निवासी जरहागढ़, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला जरहागढ़ शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2361/10, 2361/11, 2361/12 रकबा 736.56, 756, 1447.2 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-04.05.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है । नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 17/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती नाजनीन बानो आ0 मो0 फखरूद्दीन खान जाति, निवासी जरहागढ़, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - जरहागढ़, शीट नम्बर - 8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2343,2344/1 रकबा 0.04, 0.01$^{1/2}$ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 04/05/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 17/04/2026 की मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती नाजनीन बानो आ0 फखरूद्दीन खान जाति, निवासी जरहागढ़, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - जरहागढ़, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2384/67 रकबा 0.04, एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 04/05/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 17/04/2026 मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शैलेश कुमार गुप्ता आ0 माखनलाल गुप्ता जाति रौनियार, निवासी सदर रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - बरेजपारा, शीट नम्बर - 8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2656 / 3 रकबा 0.04 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 27-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांकः- 10/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो0 फखरूद्दीन खान आ0 स्व0 अब्दुल रसीद खान जाति, निवासी मोमिनपुरा, नगर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर -8 न्यू महामाया रोड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2361/10, 2361/11, 2361/12 रकबा 736.56, 756, 1447.2 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 4/05/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 17/04/26 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

साइबर सुरक्षा या जुए का सॉफ्टवेयर? सूरजपुर में 'डिजिटल संरक्षण' का खुला खेल!

दैनिक घटती-घटना के खुलासों के बाद हिली कुर्सियां...लाइन हाजिर हुए 'टेक्निकल महारथी',अब एमसीबी में भी वही कहानी दोहराने की तैयारी?

जंगल से शुरू हुई कहानी,वीडियो से बढ़ा बवाल और अब साइबर टीम तक पहुंची आंच-खुलासों के बाद भी सिस्टम 'अपडेट' या सिर्फ 'रीस्टार्ट'?

- जंगल से साइबर तक जुआ कांड में खुलती परतें,सिस्टम फिर कटघरे में...
- खबरों का असर : जुए से जुड़ी साइबर 'सेवा' पर कार्रवाई,पर सवाल कायम
- सूरजपुर जुआ कांड वीडियो के बाद हिली कुर्सियां,साइबर टीम पर गिरी गाज
- डिजिटल सुरक्षा के नाम पर जुए का संरक्षण,खुलासे के बाद बदली साइबर टीम
- जब रक्षक ही बन गए संरक्षक तब साइबर टीम पर कार्रवाई
- सूरजपुर में साइबर का 'सिस्टम हैंग',जुआ फड़ चलता रहा...
- खबर का असर जुए की 'ऑनलाइन सेटिंग' करने वाली टीम लाइन हाजिर
- साइबर टीम की 'स्पेशल सर्विस': अपराधियों को मिला डिजिटल संरक्षण '
- डिजिटल युग की नई पुलिसिंगः साइबर टीम बनी जुए की गारंटी!

सूरजपुर जुआ कांडः वायरल वीडियो के बाद कार्रवाई,चालक और थाना प्रभारी निलंबित,साइबर भूमिका पर सवाल बरकरार
थाना प्रभारी अलरिक लकड़ा पर कार्रवाई

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर/एमसीबी,24 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सूरजपुर में जुए के कथित साम्राज्य की कहानी अब किसी फिल्म की स्क्रिप्ट जैसी लगने लगी है पहले जंगल में फड़,फिर वायरल वीडियो, फिर निलंबन,और अब साइबर टीम पर कार्रवाई, दैनिक घटती-घटना की लगातार खबरों ने जिस 'खुले रहस्य' को उजागर किया,उस पर आखिरकार पुलिस विभाग को हरकत में आना पड़ा, लेकिन सवाल वही पुराना है क्या यह कार्रवाई सच में सफाई है या सिर्फ धूल को एक कोने से दूसरे कोने में सरकाया जा रहा है? सूरजपुर में इन दिनों अगर कोई सबसे ज्यादा 'एक्टिव' था, तो वह अपराधी नहीं, बल्कि उन्हें संरक्षण देने वाला सिस्टम था, और इस सिस्टम का सबसे चमकदार, सबसे 'अपडेटेड' हिस्सा था–साइबर टीम। जी हां, वही साइबर टीम, जिसका काम था डिजिटल अपराधों पर लगाम लगाना, ऑनलाइन फ्रॉड पकड़ना, और थानों को तकनीकी सहायता देना, लेकिन यहां कहानी कुछ और ही लिखी जा रही थी जहां 'साइबर' का मतलब कंप्यूटर नहीं, बल्कि 'कलेक्शन मैनेजमेंट' हो गया था,दैनिक घटती-घटना ने जब इस पूरे खेल पर से पर्दा उठाना शुरू किया, तो धीरे-धीरे साफ हुआ कि मामला सिर्फ एक-दो जुआ फड़ों का नहीं, बल्कि पूरे 'डिजिटल संरक्षण नेटवर्क' का है, और इस नेटवर्क का कथित मास्टरमाइंड था–शमशेर खान, जो शायद टेक्नोलॉजी का इतना बड़ा ज्ञाता नहीं था, लेकिन सिस्टम को 'हैक' करने में माहिर जरूर था।

जंगल में जुआ : शुरुआत वहीं से जहां 'कानून' छुट्टी पर था...

6 अप्रैल की खबर में कुमेली जंगल का जिक्र आया,जहां जुए का ऐसा दरबार सजता था, मानो यह कोई लोकल मेला हो, फर्क सिर्फ इतना था कि यहां झूले नहीं, बल्कि ताश के पत्ते उड़ते थे और खिलौनों की जगह लाखों रुपये दांव पर लगते थे, खबर में बताया गया कि घंटों तक खेल चलता था, और किसी को कोई डर नहीं था, यह आत्मविश्वास देखकर आम आदमी सोच में पड़ गया की क्या कानून वाकई जंगल में खो गया था या उसे रास्ता ही नहीं दिखाया गया?

अब साइबर टीम पर गिरी गाजः 'टेक्निकल' से 'टैक्टिकल' तक...

ताजा घटनाक्रम में साइबर टीम पर कार्रवाई ने पूरे मामले को नया मोड़ दे दिया है, जिस टीम का काम था अपराध पकड़ना, उसी पर आरोप लगा कि वह 'अपराध मैनेजमेंट' में व्यस्त थी, साइबर प्रभारी सहित कई आरक्षक लाइन हाजिर कर दिए गए, यह वही टीम है, जिसके बारे में पहले कहा जा रहा था कि वह थानों की मदद के बजाय 'खास नेटवर्क' को मदद कर रही है।

सवाल बड़ा है : मदद कर रहे थे या मैनेज?

साइबर टीम की भूमिका हमेशा से तकनीकी सहयोग की रही है, लेकिन इस मामले में सवाल यह उठ रहा है कि क्या टीम सिर्फ जानकारी जुटा रही थी, या जानकारी का 'उपयोग' भी तय कर रही थी? अगर मदद थानों को नहीं मिल रही थी, तो आखिर किसे मिल रही थी? यह वही सवाल है, जिसका जवाब अभी भी 'लोडिंग...' में है।

'न बंद हुआ, न बंद होगा'खुलेआम चुनौती-

7 अप्रैल की खबर में जुए के नेटवर्क की 'हिम्मत' भी सामने आई, खबर का लहजा ही बता रहा था कि यह कोई छुपा हुआ खेल नहीं, बल्कि खुलेआम चल रहा कारोबार है, जंगल में बैठे खिलाड़ी जैसे यह संदेश दे रहे थे– 'खबर छपे या वीडियो वायरल हो, खेल तो चलता रहेगा।' और सच कहें तो उस समय तक सिस्टम का रवैया भी यही संकेत दे रहा था कि 'देखेंगे... बाद में। '

वीडियो में वर्दीः जब कहानी ने लिया ट्विस्ट-

पूरा मामला तब पलटा, जब वायरल वीडियो में एक वर्दीधारी का चेहरा नजर आया। अब तक जो बातें 'अफवाह' मानी जा रही थीं, वे अचानक 'सबूत' में बदल गईं, वीडियो ने जैसे ही सोशल मीडिया पर एंट्री ली, सिस्टम की नींद खुली, और वही सिस्टम, जो अब तक 'अनजान' बना हुआ था, अचानक सक्रिय हो गया–जैसे किसी ने रिमोट दबाकर उसे ऑन कर दिया हो।

पहली कार्रवाईः निलंबन का क्लासिक फॉर्मूला-

वीडियो के बाद पुलिस विभाग ने अपने सबसे भरोसेमंद हथियार का इस्तेमाल किया–निलंबन, चालक आरक्षक और थाना प्रभारी पर कार्रवाई हुई, कागजों में यह बड़ी कार्रवाई थी, और जनता के लिए 'पहला कदम।' लेकिन अनुभवी लोग जानते हैं कि यह वही स्टेप है, जहां से असली कहानी शुरू होती है–खत्म नहीं।

पुरानी खबरें अब 'भविष्यवाणी' जैसी क्यों लग रही हैं?

जब 6 और 7 अप्रैल को खबरें छपी थीं, तब कई लोगों ने इसे सामान्य रिपोर्टिंग समझा, लेकिन अब वही खबरें एक-एक कर सच होती नजर आ रही हैं जंगल में जुआ, नेटवर्क की बात, वर्दी की मौजूदगी, कार्रवाई की कमी और अब साइबर टीम तक पहुंचती जांच यह सब देखकर लगता है कि खबर नहीं, पूरी 'स्क्रिप्ट' पहले ही लिख दी गई थी।

जब साइबर टीम बनी 'स्पेशल प्रोटेक्शन फोर्स'

आम तौर पर पुलिस विभाग में साइबर टीम का काम होता है थानों को तकनीकी मदद देना, जैसे मोबाइल लोकेशन ट्रैक करना, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन की जांच करना, सोशल मीडिया पर निगरानी रखना आदि, लेकिन सूरजपुर में इस टीम ने अपने काम का 'अपग्रेडेड वर्जन' लॉन्च कर दिया था, यहां साइबर टीम सिर्फ मदद नहीं कर रही थी, बल्कि 'मैदान में उतरकर' जुए के फड़ को भी तकनीकी और गैर-तकनीकी संरक्षण दे रही थी, ऐसा लग रहा था जैसे कोई स्टार्टअप चल रहा हो जहां हर सदस्य की भूमिका तय थी, और लक्ष्य था 'अवैध कारोबार को सुरक्षित और सुचारू रूप से चलाना। '

वीडियो...फोटो और फिर हड़कंप

दैनिक घटती घटना ने जब लगातार खबरें प्रकाशित करनी शुरू कीं, तो शुरुआत में शायद किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन जैसे-जैसे वीडियो और फोटो सामने आते गए, वैसे-वैसे यह मामला 'सिर्फ अफवाह' से निकलकर 'ठोस साक्ष्य' में बदल गया, वीडियो में साफ दिख रहा था कि जुआ फड़ खुलेआम चल रहा है, और इससे भी ज्यादा दिलचस्प बात यह थी कि इस पूरे खेल में किसी को कोई डर नहीं था, मानो सभी को विश्वास हो कि 'ऊपर तक सेटिंग है, अब यह 'ऊपर' कौन था, यह तो जांच का विषय है,लेकिन नीचे वालों का आत्मविश्वास देखने लायक था।

लाइन हाजिर : कार्रवाई या औपचारिकता?

जब मामला ज्यादा गर्म हो गया, तो आखिरकार पुलिस विभाग ने अपनी 'क्लासिक कार्रवाई' का सहारा लिया, लाइन हाजिर। साइबर टीम के प्रभारी राकेश यादव सहित विकास पटेल, महेंद्र सिंह और उदय को लाइन हाजिर कर दिया गया, अब लाइन हाजिर पुलिस विभाग का वह जादुई शब्द है, जिससे आम जनता को लगता है कि बहुत बड़ी कार्रवाई हो गई है, लेकिन अंदरखाने की बात यह है कि कई बार यह सिर्फ 'ठंडा करने वाला इंजेक्शन' होता है, और यहां तो चर्चा यह भी है कि जिनमें से कुछ पहले से ही लाइन में थे, लेकिन उनका 'नेटवर्क' इतना मजबूत था कि लाइन में रहते हुए भी 'ऑनलाइन' बने हुए थे, यानी, फाइल में लाइन हाजिर और मैदान में एक्टिव!

क्राइम ब्रांच खत्म, साइबर 'क्राइम पार्टनर' बना?

छत्तीसगढ़ में पहले से ही क्राइम ब्रांच को भंग किया जा चुका है, इसके बाद उम्मीद थी कि साइबर टीम अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाएगी। लेकिन यहां तो भूमिका ही बदल गई, ऐसा लगने लगा कि साइबर टीम अब अपराधियों की 'पार्टनर' बन गई है। यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या यह सब पुलिस मुख्यालय के आदेशों के तहत हो रहा था, या फिर यह पूरी तरह स्थानीय स्तर पर 'मैनेज' किया जा रहा था? अगर यह सब बिना किसी लिखित आदेश के हो रहा था, तो यह और भी गंभीर मामला है, क्योंकि इसका मतलब है कि सिस्टम के अंदर ही एक समानांतर सिस्टम विकसित हो चुका है।

थानों की बेबसी और साइबर की 'बदनामी'

डिजिटल युग में पुलिसिंग सिर्फ डंडे और गश्त से नहीं चलती, अब हर थाने को साइबर टीम की जरूरत होती है, लेकिन सूरजपुर में हालत उल्टी थी, यहां थानों को साइबर टीम से सहयोग नहीं मिल रहा था, बल्कि उल्टा यही टीम थानों की बदनामी का कारण बन रही थी, थाना प्रभारी जहां अपराध रोकने में लगे थे, वहीं साइबर टीम 'अपराध प्रबंधन' में व्यस्त थी, नतीजा यह हुआ कि आम जनता के बीच पुलिस की छवि धूमिल होती गई और अपराधियों का हौसला बढ़ता गया।

एमसीबी जिले में 'सीक्वल' की तैयारी

सूरजपुर में कार्रवाई के बाद अब कहानी एमसीबी जिले की ओर मुड़ गई है, यहां भी जंगलों में लाखों रुपये का जुआ फड़ संचालित होने की खबरें सामने आ रही हैं, सबसे दिलचस्प बात यह है कि यहां कोतवाली मनेन्द्रगढ़ के प्रभारी ही साइबर के भी प्रभारी हैं, यानी, एक ही व्यक्ति के पास दोनों जिम्मेदारियां हैं, अब इसे 'कुशल प्रबंधन' कहें या 'सुविधाजनक व्यवस्था ', यह समझना मुश्किल है, लेकिन इसके बावजूद जुआ फड़ जारी है, तो सवाल उठना लाजिमी है की क्या यह 'निगरानी की कमी' है या 'निगरानी का नया मॉडल '?

'सुपर कॉप' और सेटिंग का सिस्टम

एमसीबी जिले में एक प्रधान आरक्षक की चर्चा जोरों पर है, जिन्हें स्थानीय लोग 'सुपर कॉप' के नाम से जानते हैं, कहा जा रहा है कि जुए की सेटिंग इन्हीं के माध्यम से होती है, अब 'सुपर कॉप' शब्द सुनकर जहां आम जनता को उम्मीद होती है कि यह कोई ईमानदार और बहादुर अधिकारी होगा, वहीं यहां कहानी उलटी नजर आ रही है, बताया जा रहा है कि इस आरक्षक की पकड़ इतनी मजबूत है कि पूरे सरगुजा संभाग में इनका नेटवर्क फैला हुआ है, कोरिया जिले में तो इन्हें 'घर-घर में पहचाना' जाता है, और उनकी कार्यशैली इतनी चर्चित है कि उनका सर्विस रिकॉर्ड ही उनकी कहानी बयां कर देता है।

जुगाड़ की ताकत और सिस्टम की सच्चाई

इस पूरे मामले में सबसे दिलचस्प पहलू है–'जुगाड़।' कहा जा रहा है कि यह सुपर कॉप जशपुर से किसी खास जुगाड़ के तहत यहां पहुंचे थे, और वही जुगाड़ आज भी उनके काम आ रहा है, यह कहानी सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं है, बल्कि पूरे सिस्टम की है, जहां योग्यता से ज्यादा महत्व 'नेटवर्क' को दिया जाता है, और नियमों से ज्यादा प्रभाव 'संबंधों' का होता है।

क्या सुधार संभव है या सिर्फ बदलाव का नाटक?

इस पूरे मामले के बाद यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या वाकई सुधार होगा, या यह सिर्फ 'बदलाव का नाटक' है? विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक साइबर टीम को स्पष्ट दिशा-निर्देश और जवाबदेही के साथ नहीं जोड़ा जाएगा, तब तक इस तरह की समस्याएं बनी रहेंगी, हर थाने में साइबर विशेषज्ञ की नियुक्ति होनी चाहिए, जो सीधे थाना प्रभारी के अधीन काम करे। इससे न सिर्फ समन्वय बेहतर होगा, बल्कि जवाबदेही भी तय होगी।

सिस्टम अपडेट होगा या फिर 'हैंग' ही रहेगा?

सूरजपुर से लेकर एमसीबी तक फैली इस कहानी ने यह साफ कर दिया है कि समस्या सिर्फ एक जिले या एक टीम की नहीं है, यह पूरे सिस्टम की खामी है, दैनिक घटती-घटना ने जिस तरह इस मुद्दे को उठाया है, वह काबिल-ए-तारीफ है। लेकिन असली परीक्षा अब पुलिस विभाग की है—क्या वह इस मौके को सुधार के रूप में लेगा, या फिर कुछ दिनों बाद सब कुछ पहले जैसा ही हो जाएगा? फिलहाल जनता यही उम्मीद कर रही है कि इस बार सिस्टम सिर्फ 'रीस्टार्ट' नहीं, बल्कि 'अपग्रेड' होगा। वरना अपराधी तो पहले से ही 'हाई-स्पीड इंटरनेट' पर काम कर रहे हैं,और पुलिस अभी भी 'बफरिंग' में अटकी हुई है।

खबर का असर हुआ...अब असर का असर दिखना बाकी

दैनिक घटती-घटना की लगातार रिपोर्टिंग ने एक बड़े नेटवर्क को उजागर किया है, कार्रवाई भी हुई है, चेहरे भी बदले हैं, और फाइलें भी चली हैं, लेकिन असली बदलाव तब माना जाएगा, जब जंगल में जुआ नहीं, कानून चले साइबर टीम सवालों में नहीं, समाधान में दिखे और सिस्टम सिर्फ कागजों में नहीं, जमीन पर भी काम करे फिलहाल, कहानी जारी है... और जनता अगला 'एपिसोड' देखने का इंतजार कर रही है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर सियासत तेजः सूरजपुर में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का विपक्ष पर हमला

प्रेस वार्ता में कहा-महिलाओं के अधिकारों को राजनीतिक स्वार्थ ने रोका, सरकार सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध

-संवाददाता-

सूरजपुर,24 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर सियासत अब तेज होती नजर आ रही है, सूरजपुर के सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने इस अधिनियम को महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक स्वार्थ के चलते महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखा गया और एक बड़ा अवसर खो दिया गया।

सूरजपुर में आयोजित इस प्रेस वार्ता ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है, जहां सरकार इसे महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम बता रही है, वहीं विपक्ष

पर इसे रोकने के आरोप लगाए जा रहे हैं,अब देखना होगा कि आने वाले समय में यह मुद्दा किस दिशा में आगे बढ़ता है और क्या महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को लेकर कोई ठोस पहल सामने आती है।

प्रेस वार्ता में नेताओं की मौजूदगी- शुक्रवार को आयोजित इस प्रेस वार्ता में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के साथ अनिल सिंह मेजर भी मौजूद रहे,कार्यक्रम में प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी,भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि पैकरा, उपाध्यक्ष रेखा राजवाड़े, जनपद पंचायत अध्यक्ष स्वाति सिंह, जिला उपाध्यक्ष संत सिंह, जिला मंत्री राजेश्वर तिवारी, रितेश गुप्ता, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष देव गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और महिला मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिलाओं के सम्मान का महायज्ञ था यह अधिनियम- मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है और अब समय आ गया था कि देश की आधी आबादी को नीति-निर्धारण में समान भागीदारी दी जाए, उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 'नारी शक्ति के सम्मान का महायज्ञ' बताते हुए कहा कि सरकार ने सभी दलों से सहयोग की अपील की थी, ताकि महिलाओं को उनका अधिकार मिल सके।

विपक्ष पर तीखा हमला- मंत्री राजवाड़े ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते इस महत्वपूर्ण पहल को समर्थन नहीं दिया, हमारी माताओं, बहनों और बेटियों ने वर्षों से इस अवसर का इंतजार किया, लेकिन विपक्ष ने उन्हें फिर से इंतजार करने पर मजबूर कर दिया,' उन्होंने कहा। उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ एक राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश के भविष्य और दिशा से जुड़ा विषय है।

महिलाओं के प्रतिनिधित्व पर चिंता- प्रेस वार्ता में यह भी कहा गया कि लंबे समय तक महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने इसे प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ाया, लेकिन विपक्ष की भूमिका इसमें निराशाजनक रही।

ऐतिहासिक संदर्भों का जिक्र- मंत्री राजवाड़े ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि पूर्व में महिलाओं के अधिकारों से जुड़े कई निर्णय राजनीतिक कारणों से प्रभावित हुए हैं, अब सरकार उन कमियों को दूर करने और महिलाओं को निर्णय लेने के उच्च स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह- प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और महिला मोर्चा के पदाधिकारियों में खासा उत्साह देखने को मिला, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने इस मुद्दे की राजनीतिक अहमियत को भी दर्शाया।

क्या है नारी शक्ति वंदन अधिनियम?- नारी शक्ति वंदन अधिनियम का मुख्य उद्देश्य संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करना है, इसका मकसद महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना और उन्हें नीति-निर्धारण में अधिक प्रभावी भूमिका देना है, ताकि लोकतंत्र में संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके।

परिणीति चोपड़ा ने राघव चड्ढा को मिलने से पहले किया था गूगल

परिणीति चोपड़ा ने खुलासा किया था... कि वे कभी भी किसी पॉलिटिशियन से शादी नहीं करेंगी...वहीं राघव से मिलने से पहले उन्होंने उन्हें गूगल किया था...

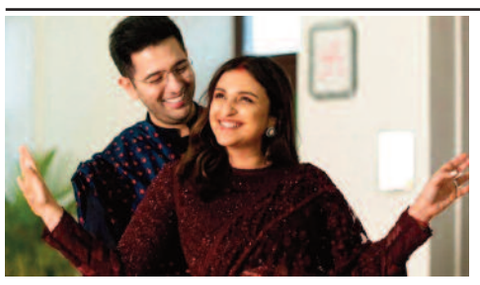

परिणीति ने राघव को किया था गूगल

द ग्रेट इंडियन कपिल शो में जब ये पावरफुल कपल आया तो इन्होंने अपने डेटिंग एरा के कई राज खोले। यहां परिणीति ने बताया कि राघव से पहली बार लंदन में मिली थीं, जहां उन्हें अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया था। परिणीति ने कहा,मुझे याद है, सुबह-सुबह हम नाश्ते के लिए मिले थे। मैं उनके साथ शायद आधे घंटे बैठी और मुझे बस यह एहसास हो गया। मैंने मन ही मन कहा, यही वह इंसान है जिससे मैं शादी करने वाली हूं। और मुझे उनके बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मुझे नहीं पता था कि उनकी उम्र कितनी है, मुझे यह भी नहीं पता था कि वह शादीशुदा हैं या नहीं, क्योंकि मैं कभी राजनीति को फॉलो नहीं करती थी। परिणीति ने आगे कहा, मुझे उनके बारे में कोई पर्सनल जानकारी नहीं थी। तो मैं सचमुच अपने होटल के कमरे में वापस गई और उनके बारे में गूगल करना शुरू कर दिया,जैसे राघव चड्ढा की उम्र, क्या राघव चड्ढा शादीशुदा हैं? क्योंकि मेरे मन में सचमुच यह एहसास था कि यही मेरा हमसफर है, यही वह इंसान है जिसका मैं इतने लंबे समय से इंतजार कर रही थी। शुक्र है कि वह सिंगल थे और शुक्र है कि सब कुछ ठीक निकला और हमने एक-दूसरे से बात करना शुरू कर दी।

पॉलीटिशियन से शादी नहीं करना चाहती थीं परिणीति

शो में राघव ने खुलासा किया कि परिणीति नहीं चाहती थी कि उनका हमसफर कोई पॉलीटिशियन हो। परिणीति और राघव ने पिछले साल उदयपुर में शादी की थी। अपनी शादी की तस्वीरें शेयर करते हुए इस कपल ने लिखा, ब्रेकफास्ट टेबल पर पहली बातचीत से ही, हमारे दिलों को पता चल गया था। हम इस दिन का बहुत लंबे समय से इंतजार कर रहे थे.. आखिरकार मिस्टर और मिसेज़ बनकर हम बहुत खुश हैं! हम एक-दूसरे के बिना नहीं रह सकते थे.. हमारा हमेशा का साथ अब शुरू होता है। बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और आप नेता (उस वक्त) राघव चड्ढा की शादी 24 सितंबर, 2023 को राजस्थान के उदयपुर स्थित द लीला पैलेस में हुई थी। हालांकि राघव ने अब आम आदमी पार्टी को छोड़कर बीजेपी जॉइन करने की घोषणा कर दी है।

समीरा रेड्डी स्टार हीरो फिल्म से कमबैक करने को तैयार

टॉलीवुड में अपने ग्लैमर और परफॉर्मेंस के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस समीरा रेड्डी, खबर है कि लंबे ब्रेक के बाद सिल्वर स्क्रीन पर ज़ोरदार वापसी करने की तैयारी कर रही हैं। फैंस और इंडस्ट्री के अंदर के लोग उनकी वापसी को लेकर एक्साइटेड हैं, जिससे फिल्म कम्युनिटी में चर्चा हो रही है। समीरा ने मेगास्टार चिरंजीवी और यंग टाइगर हुञ्ञ्र जैसे बड़े स्टार्स के साथ एक्टिंग करके पहचान बनाई। शादी के बाद, उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली, लेकिन हाल की रिपोर्ट्स बताती हैं कि उन्होंने अपनी दूसरी पारी के लिए एक ज़बरदस्त प्रोजेक्ट चुना है। सोर्स बताते हैं कि समीरा को एक टॉप स्टार हीरो वाली फिल्म में एक अहम रोल निभाने के लिए ग्रीन सिग्नल मिल गया है। फिल्म के अंदर के लोगों ने बताया कि प्रोजेक्ट पर बातचीत पूरी हो चुकी है, और जल्द ही ऑफिशियल अनाउंसमेंट होने की उम्मीद है। कमर्शियल सिनेमा में अपने शुरुआती दिनों के उलट, समीरा अब ऐसे रोल पर फोकस करती दिखती हैं जो उनकी उम्र और एक्सपीरियंस के हिसाब से हों, और सिर्फ ग्लैमर या नाम की पहचान के बजाय अच्छी कहानी वाले कैरेक्टर्स को प्रायोरिटी देती हैं। उनके रोल्स का चुनाव उनके करियर के प्रति एक सोच-समझकर किए गए अप्रोच को दिखाता है, जिसका मकसद अच्छी परफॉर्मेंस से असर डालना है। फिल्मों से ब्रेक के दौरान भी, समीरा रेड्डी सोशल मीडिया के ज़रिए अपने फैंस से जुड़ी रहीं। उन्होंने बॉडी पॉजिटिविटी, मदरहुड और फिटनेस जैसे टॉपिक पर वीडियो शेयर किए, जिनकी ऑनलाइन तारीफ़ हुई। अपने पर्सनल एक्सपीरियंस खुलकर शेयर करके, उन्होंने सेलिब्रिटी स्टेटस के जाल को पीछे छोड़ते हुए अपने फॉलोअर्स के साथ एक मज़बूत रिश्ता बनाए रखा। कई सीनियर एक्ट्रेस पहले से ही अपनी दूसरी पारी में सफलता का मज़ा ले रही हैं, ऐसे में समीरा की वापसी से बहुत उम्मीदें हैं। यह आने वाला प्रोजेक्ट उनके करियर में एक टर्निंग पॉइंट होने की उम्मीद है, जिससे यह जानने की उत्सुकता बढ़ेगी कि वह किस स्टार हीरो के साथ जोड़ी बनाएंगी और उनका रोल कैसा होगा। जल्द ही ऑफिशियली डिटेल्स सामने आने की संभावना है।

फरहाद सामजी की अगली फिल्म में जॉनी लीवर होंगे,सलमान और अक्षय कैमियो में होंगे

जॉनी लीवर एक नई कॉमेडी फिल्म में लीड रोल करने वाले हैं। अपनी ज़बरदस्त कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाने वाले जॉनी, कई दूसरे एक्टर्स के साथ इस फिल्म में लीड रोल में होंगे, जो कॉमेडी स्पेस में अपनी मज़बूत मौजूदगी के लिए भी जाने जाते हैं। हालांकि पूरी कास्ट अभी ऑफिशियली तय नहीं हुई है, लेकिन सोर्स बताते हैं कि मेकर्स ध्यान से एक लाइनअप बना रहे हैं और सब कुछ सीक्रेट रखने की कोशिश कर रहे हैं। फिल्म को फरहाद सामजी डायरेक्ट करेंगे, जिन्होंने पहले कई कमर्शियल एंटरटेनर फिल्में बनाई हैं, और इसे हॢ स्टूडियोज़ और रोरिंग रिवर प्रोडक्शंस प्रोड्यूस करेंगे। जॉनी लीवर के एक आम आदमी का रोल करने से,इस प्रोजेक्ट से दर्शकों के लिए ज़बरदस्त चर्चा और पूरी मसाला कॉमेडी होने की उम्मीद है। इस डेवलपमेंट से जुड़े एक सोर्स ने हमें बताया, मेकर्स फिल्म में कई टॉप सुपरस्टार्स को कैमियो करते हुए देखना चाहते हैं, जिसमें सलमान खान और अक्षय कुमार जैसे नाम शामिल हैं...इन कैमियो से फिल्म की अपील बढ़ने और दर्शकों के लिए एक सरप्राइज़ फैक्टर आने की उम्मीद है। शूट की टाइमलाइन और ज़्यादा जानकारी अभी सीक्रेट रखी गई है, लेकिन इसमें शामिल टीम को देखते हुए फिल्म में लोगों की दिलचस्पी ज़रूर बढ़ेगी। फरहाद सामजी के इस जॉनर के अनुभव और जॉनी लीवर के कॉमेडी फिल्म को लीड करने से, उम्मीदें तो बहुत ज़्यादा होंगी ही। जॉनी लीवर, जो दशकों से भारतीय सिनेमा में लगातार हंसी का ज़रिया रहे हैं, दर्शकों के बीच आज भी पसंदीदा बने हुए हैं। ह्यूमर को ज़िंदा करने की उनकी काबिलियत बेमिसाल रही है, जिससे वे सच में कॉमेडी किंग बन गए हैं और उनके करियर में उनकी पहचान हमेशा चमकती रहेगी।

फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

तमिल फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी बॉक्स ऑफिस पर लगातार खराब प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने अपने दूसरे गुरुवार को 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की, जिससे इसकी कमाई में 35 लाख रुपये और जुड़ गए। इससे इसके दूसरे हफ्ते की कमाई 6.05 करोड़ रुपये हो गई। ओपनिंग हफ्ते के मुकाबले दूसरे हफ्ते में इसकी कमाई में 82 प्रतिशत की भारी गिरावट आई। पहले हफ्ते के 34.75 करोड़ रुपये के साथ, एलआईके की भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कुल कमाई 40.45 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। प्रदीप रंगनाथन स्टारर इस फिल्म से कुछ करोड़ और जुड़ने की उम्मीद है और यह अपनी पूरी थिएट्रिकल कमाई को 45 करोड़ रुपये के आसपास खत्म करेगी। सेवन स्क्रीन स्टूडियोज के सपोर्ट से बनी लव इंश्योरेंस कंपनी निराशाजनक रही। यह प्रदीप रंगनाथन की सबसे कम कमाई करने वाली फिल्म होगी। भारत में एलआईए का दिन-वार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन इस प्रकार है- दिन बॉक्स ऑफिस 1 रु. 7.75 करोड़ 2 रू. 9.50 करोड़ 3 रू.. 8.00 करोड़ 4 रू.. 3.00 करोड़ 5 रू.. 3.75 करोड़ 6 रू.. 1.50 करोड़ 7 रू.. 1.25 करोड़ 8 रू.. 1.00 करोड़ 9 रू.. 1.60 करोड़ 10 रू.. 1.65 करोड़ 11 रू.. 0.50 करोड़ 12 रू. 0.50 करोड़ 13 रू.. 0.45 करोड़ (अनुमानित) 14 रू.. 0.35 करोड़ (अनुमानित) कुल रू.. 40.45 करोड़ लव इंश्योरेंस कंपनी साल 2040 में सेट है और वासु नाम के एक नौजवान की कहानी है, जो ऐसी दुनिया में रहता है जहाँ टेक्नोलॉजी ज़िंदगी में सब कुछ तय करती है, जिसमें प्यार भी शामिल है। जब एक लव इंश्योरेंस कंपनी दावा करती है कि उसका ऐप एक एल्गोरिदम के ज़रिए हर रिश्ते को कामयाबी से मैच कर सकता है, तो वासु इस दावे के लिए अकेला खतरा बन जाता है, जब उसे धीमा से प्यार हो जाता है, जो एक इनकम्पैटिबल मैच है। वासु कैसे धीमा को जीतता है और एक कॉर्पोरेट दुश्मन के विरोध का सामना करते हुए अपनी लव स्टोरी को पूरा करता है, यह फिल्म में दिखाया गया है। लीड रोल में प्रदीप रंगनाथन के साथ, फिल्म में कृति शेट्टी, एसजे सूर्या, गौरी जी किशन, योगी बाबू और दूसरे कलाकार भी अहम रोल में हैं।

खेल समाचार

सूज़ी बेट्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा की...

न्यूज़ीलैंड,24 अप्रैल 2026 न्यूज़ीलैंड की महिला क्रिकेटर सूज़ी बेट्स ने एक अहम फ़ैसला लिया है। यह सीनियर ऑलराउंडर, जो दो दशक से ज़्यादा समय से व्हाइट फ़र्न्स टीम की कामयाबी में अहम भूमिका निभा रही हैं, जल्द ही इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह देंगी। सीनियर खिलाड़ी ने बताया है कि वह इस साल के टी 20 वर्ल्ड कप की विनर के तौर पर क्रिकेट को अलविदा कहेंगी। ब्रिटेन में होने वाला छोटा वर्ल्ड कप उनका आखिरी वर्ल्ड कप होगा। बेट्स ने कहा कि वह इस टूर्नामेंट की चैंपियन के तौर पर खेल से रिटायर होंगी। सीनियर महिला क्रिकेटर सूज़ी बेट्स इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर होने वाली हैं। बेट्स ने आने वाले छोटे वर्ल्ड कप के बाद खेल को अलविदा कहने का फ़ैसला किया है। बेट्स ने बताया, 20 साल के करियर को पीछे मुड़कर देखती हूँ, तो मुझे यकीन नहीं होता कि समय कितनी जल्दी बीत गया। मुझे व्हाइट फ़र्न्स के लिए इतनी कामयाबी हासिल करने पर बहुत गर्व है। मैं हर दिन एक बेहतरीन इंसान, टीम प्लेयर और एथलीट बनने की कोशिश करूँगी। मेरा एक आखिरी मिशन है। बेट्स ने कहा, मैं ब्रिटेन जाना चाहती हूं, जहां मेरी बहुत सारी अच्छी यादें हैं, और वहां एक और वर्ल्ड कप जीतना चाहती हूं। मैं टीम के लिए आखिरी बार अपना सब कुछ दे दूंगी। मेरे सभी परिवार और दोस्तों का शुक्रिया जिन्होंने मेरा साथ दिया। मेरे पति स्कॉटी और मेरे बेटों का शुक्रिया, जो इस सफर के सभी उतार-चढ़ाव में मेरे साथ रहे। उन कोचों का शुक्रिया जिन्होंने मुझे इतने मौके दिए।

सचिन ने अपने फैंस के साथ सेल्फी लेकर अपना जन्मदिन मनाया

नई दिल्ली,24 अप्रैल 2026। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने शुक्रवार (24 अप्रैल) को मुंबई में अपने घर पर अपने परिवार के साथ अपना 53वां जन्मदिन मनाया। इसके बाद, उन्होंने फैंस के साथ सेल्फी ली और उन्हें ऑटोग्राफ दिए। उन्होंने अपनी पत्नी अंजलि तेंदुलकर और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में केक काटा। केक काटने के बाद,उन्होंने भारी पुलिस सिक्योरिटी के बीच फैंस के साथ सेल्फी ली और ऑटोग्राफ दिए। सचिन ने इस मौके पर बधाई देने के लिए अपने घर के सामने जमा हुए फैंस का जोश भरा अभिवादन भी स्वीकार किया और कहा, ÷सभी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। 24 अप्रैल, 1973 को जन्मे सचिन अब तक के सबसे महान बल्लेबाज और ओडीआई और टेस्ट दोनों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनके नाम टेस्ट और ओडीआई दोनों में सबसे ज्यादा सेंचुरी बनाने का रिकॉर्ड है। इसके अलावा, उनके नाम अकेले इंटरनेशनल क्रिकेट में 100 सेंचुरी बनाने का गौरव है। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है, यह देखते हुए कि सचिन, जो भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े आइकॉन थे, ने अपने 79 वें ओडीआई मैच में अपनी पहली सेंचुरी बनाई थी। वह अपने क्रिकेट करियर में 34,357 रन बनाकर भारत के सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं। यह ध्यान देने वाली बात है कि सचिन तेंदुलकर भारत के सबसे बड़े नागरिक सम्मान, भारत रत्न पाने वाले पहले खिलाड़ी होने का गौरव भी रखते हैं।

5 खिलाड़ी जो साल 2026 में करेंगे टीम इंडिया के लिए डेब्यू

नई दिल्ली,24 अप्रैल 2026। आईपीएल 2026 में कई युवा खिलाड़ियों ने कमाल का प्रदर्शन किया है। खासकर कई तो ऐसे हैं जिनका इसी साल भारतीय टीम के लिए डेब्यू होगा।

आईपीएल 2026 अबतक तो युवा खिलाड़ियों के नाम रहा है। इस लीग का पहला हाफ अब खत्म होने की ओर है और कई ऐसे खिलाड़ी सामने आ चुके हैं जिन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया। चाहे फिर वैभव सूर्यवंशी हों या फिर प्रियांश आर्य, ये सीजन पूरी तरह से युवाओं के नाम रहा है। आगे इस रिपोर्ट में हम ऐसे खिलाड़ियों की बात करने वाले हैं जो आईपीएल 2026 के बाद टीम इंडिया के लिए अपना डेब्यू करेंगे।

वैभव सूर्यवंशी (राजस्थान रॉयल्स)

मात्र 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने अपनी बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत में सनसनी फैला दी है। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए वैभव ने अब तक 7 मैचों में 220 के तगड़े स्ट्राइक रेट से 254 रन कूट दिए हैं। इसमें महज 15-15 गेंदों पर जड़ी गई दो आतिशी फिफ्टी भी शामिल हैं। चर्चा है कि जून में होने वाले आयरलैंड दौरे पर उन्हें भारतीय टी20 टीम में शामिल किया जा सकता है।

प्रियांश आर्य (पंजाब किंग्स)

पंजाब किंग्स के दूसरे ओपनर प्रियांश आर्य अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। दिल्ली के इस बाएं हाथ के ओपनर ने 2025 में डेब्यू के बाद से कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। आईपीएल 2026 में उनका स्ट्राइक रेट 248.23 का रहा है जो किसी भी गेंदबाज के लिए डरावना सपना है। प्रियांश में पहली गेंद से मैच को पलटने का दम है।

प्रभसिमरन सिंह (पंजाब किंग्स)

पंजाब किंग्स के लिए लगातार तीन सीजन से शानदार प्रदर्शन करने वाले प्रभसिमरन सिंह अब चयन के लिए दरवाजा नहीं खटखटा रहे बल्कि उसे तोड़ रहे हैं। आईपीएल 2026 में वह अपनी टीम के लिए 211 रनों के साथ सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं। खास बात यह है कि वह 56 मैचों में 1516 रन बनाकर आईपीएल इतिहास के सबसे सफल अनकैप्ड खिलाड़ी भी हैं।

आयुष म्हात्रे (चेन्नई सुपर किंग्स)

अंडर-19 भारतीय टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे भी इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की दहलीज पर खड़े नजर आ रहे हैं। एमएस धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा बने इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने मुंबई क्रिकेट की अपनी क्लास दिखाई है। आईपीएल 2026 में 6 मैचों में 201 रन बनाकर उन्होंने साबित किया है कि उनमें बड़े स्तर पर खेलने का दम है। हालांकि चोट के चलते ये खिलाड़ी आईपीएल 2026 से बाहर हो चुका है।

हर्ष दुबे (सनराइजर्स हैदराबाद)

विदर्भ के स्पिनर हर्ष दुबे घरेलू क्रिकेट में पहले ही अपनी पहचान बना चुके थे लेकिन आईपीएल 2026 ने उन्हें बड़ा मंच दिया है। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए पावरप्ले में गेंदबाजी करने की कठिन चुनौती को उन्होंने बखूबी स्वीकारा है। अब तक 6 मैचों में 8 विकेट लेकर उन्होंने न केवल रनों पर अंकुश लगाया है बल्कि महत्वपूर्ण विकेट भी लिए हैं। खासकर हर्ष पावप्ले के ओवर्स के साथ मिडिल ओवर्स में भी गेंदबाजी कर लेते हैं।

रग्बी का नुकसान क्रिकेट का फ़ायदा है: मार्को जेनसन

सेंटियागो,24 अप्रैल 2026। मार्को जेनसन ने क्रिकेट को लेकर कभी कोई दूसरा विचार नहीं किया। हालांकि, 16 साल की उम्र में इस खेल में आने से पहले, दूसरे सबसे अच्छे टेस्ट ऑलराउंडर को लगता था कि रग्बी ही उनका असली मकसद है। जब जेनसन ने डेब्यू किया, तो उन्हें ऐसे दिखाया गया कि वह गेंद को 150 क्लिक की स्पीड से स्विंग कर सकते हैं, लेकिन अब वह अपने देश और फ्रेंचाइजी के लिए एक वर्सेटाइल ऑलराउंडर बन गए हैं। जेनसन ने मीडिया से बातचीत में कहा, सच कहूं तो, मैं और मेरा भाई (डुआन), जब हम छोटे थे, तो हम रग्बी प्लेयर बनना चाहते थे। साउथ अफ्रीका में रग्बी हमारा मेन स्पोर्ट है। करीब 16 साल की उम्र में ही हमने रग्बी छोड़कर क्रिकेट में जाने का फैसला किया। 171 इंटरनेशनल विकेट और 1,445 रन के साथ, कुछ ही ऑलराउंडर में जेनसन जैसी काबिलियत है। हालांकि उन्होंने सभी फॉर्मेट में सबसे अच्छे ऑल-राउंडर के तौर पर अपना नाम बनाया है, लेकिन कई बार ऐसा भी हुआ जब जैनसेन को लगता ही नहीं था कि क्रिकेट को प्रोफेशन के तौर पर खेलना मुमकिन है, साउथ अफ्रीका के लिए खेलना तो दूर की बात है। मैंने तो सोचा भी नहीं था कि यह (क्रिकेट को करियर के तौर पर) मुमकिन है। मैं खुद से सोचता था कि दूसरे खिलाड़ी मुझसे कहीं बेहतर हैं। स्कूल के बाद जब मैं यूनिवर्सिटी में गया, तो मुझे ब्लोमफोंटेन जाने का मौका मिला और मुझे अपना पहला फ्रेंचाइजी कॉन्ट्रैक्ट मिला। लेकिन वहां चीजें नहीं बदलीं। बाद में, जब मैंने प्रोटियाज़ के लिए डेब्यू किया और मैंने ठीक-ठाक किया, तो मैं इस करियर को सफल बनाने की कोशिश पर अड़ा रहा। पंजाब किंग्स ने 7 करोड़ रुपये में जैनसेन को चुना था, और 2025 से उनके शानदार प्रदर्शन में उनका अहम रोल रहा है। पीबीकेएस के लिए 20 मैचों में 21 विकेट लेने के बाद, जैनसेन ने खेल और टीम की ज़रूरतों के हिसाब से अलग-अलग तरीकों को चुनते हुए, सख्ती के बजाय खुद को ढालने को प्राथमिकता दी है।

टिम डेविड इस सीज़न में बड़ा असर डालने के लिए तैयार

नई दिल्ली,24 अप्रैल 2026। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के टिम डेविड ने पिछले सीज़न की शुरुआत वहीं से की है,जहां उन्होंने छोड़ा था। असल में, 6'5' के ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, जो 2025 में अपनी ज़बरदस्त हिट्स से फ्रैंचाइज़ को अपना पहला आईपीएल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभा रहे थे, ने अब और भी दमदार प्रदर्शन किया है। पिछले सीज़न में, इस धुरंधर ने 12 पारियों में 185.15 के स्ट्राइक रेट से 187 रन बनाए थे। इस बार,नंबर 5 पर प्रमोट होने के बाद, सिंगापुर में जन्मे पर्थ के रहने वाले डेविड ने पहले ही 6 पारियों में 203.53 के ज़बरदस्त स्ट्राइक रेट से 173 रन बना लिए हैं। तीन सीज़न तक मुंबई इंडियंस के लिए खेलने के बाद और पिछले साल 3 करोड़ रुपये में डिफेंडिंग चैंपियन टीम में वापस आए, ने कहा कि वह अपने बैटिंग प्रमोशन के बाद बड़ा असर डालने की कोशिश कर रहे हैं।

C M Y K

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने धर्म स्वातंत्र्य विधेयक को चुनौती देने वाली याचिका को किया खारिज

बिलासपुर,24 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक को चुनौती देने वाली याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। याचिकाकर्ता ने विधेयक को संविधान के अनुच्छेदों का उल्लंघन बताया था। मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए महाधिवक्ता ने याचिका की ग्राह्यता पर आपत्ति जताते हुए, खारिज करने का अनुरोध किया था। इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच में हुई।

याचिका में की गई थी विधेयक को निरस्त करने की मांग...

दरअसल,छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता अमरजीत पटेल ने अधिवक्ता ज्ञानेंद्र कुमार महिलांग के जरिए हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। जिसमें कहा गया था, कि विधेयक धार्मिक स्वतंत्रता, अंतःकरण और चयन के मौलिक अधिकार पर कठोर प्रतिबंध लगाता है। यह विधेयक मनमाना, अस्पष्ट, अत्यधिक व्यापक, भेदभावपूर्ण, असंगत तथा भारत के संविधान के अनुच्छेद 14,19 (1) (ए), 21,25, और 29 का उल्लंघन करने वाला है। लिहाजा विधेयक को असंवैधानिक घोषित करते हुए निरस्त करने की मांग की थी।

राज्य सरकार का पक्ष

इस मामले में राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए महाधिवक्ता विवेक शर्मा ने याचिका की ग्राह्यता को चुनौती देते हुए कहा कि याचिका इस समय विधि विचारण की पात्रता नहीं रखती, यह ग्राह्य होने योग्य ही नहीं है। हाई कोर्ट ने कहा, राज्य सरकार ने अभी तक प्रवर्तन की तिथि अधिसूचित नहीं की है, इसलिए अधिनियम को चुनौती देना समय से पहले होगा। इस आधार पर डिवीजन बेंच ने याचिका को खारिज कर दिया है।

विधानसभा में 19 मार्च को पारित हुआ था धर्म स्वातंत्र्य विधेयक

बता दें कि छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम को 19 मार्च 2026 को विधानसभा ने पारित किया है। 10 अप्रैल 2026 को अधिसूचना प्रकाशित की गई, अधिसूचना में लिखा है, विधानसभा का निम्नलिखित अधिनियम जिस पर 6 अप्रैल 2026 को राज्यपाल की अनुमति प्राप्त हो चुकी है। राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद राज्य सरकार राजपत्र में प्रकाशित करेगी। राजपत्र में प्रकाशन होते ही विधेयक कानून का रूप ले लेगा।

छत्तीसगढ़ के चांपा में प्रकाश इंडस्ट्रीज की भट्टी में ब्लॉस्ट,कई मजदूर घायल

जांजगीर-चांपा,24 अप्रैल 2026। चांपा स्थित प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्लांट में एक बार फिर बड़ा हादसा सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, प्लांट की एक भट्ठी में अचानक जोरदार ब्लास्ट हो गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। हादसे में कई मजदूरों के घायल होने की सूचना मिल रही है, हालांकि घायलों की सटीक संख्या अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के तुरंत बाद 4 से 5 एम्बुलेंस को प्लांट के अंदर जाते देखा गया, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि घायल मजदूरों की संख्या कम नहीं है। सभी घायलों को जल्दबाजी में अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी प्लांट में कई बार हादसे हो चुके हैं और हर बार प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगे हैं। हाल ही में औद्योगिक सुरक्षा विभाग द्वारा निरीक्षण और कार्रवाई भी की गई थी, लेकिन इसके बावजूद सुरक्षा मानकों को गंभीरता से नहीं लिया गया। अब एक बार फिर बड़ा हादसा होने से प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल प्रशासन और संबंधित विभाग मौके की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। घायलों की संख्या और उनकी हालत को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

नशीली सिरप तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

फर्जी ड्रग लाइसेंस बनाकर चला रहे थे नेटवर्क

7 कार्टून सिरप के साथ 4 आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग,24 अप्रैल 2026। दुर्ग पुलिस ने नशीली सिरप तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। चौकी स्मृतिनगर एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम ने दवा कंपनी प्रतिनिधि की आड़ में फर्जी दस्तावेजों के जरिए कोडीन युक्त प्रतिबंधित सिरप की अवैध बिक्री करने वाले संगठित नेटवर्क का खुलासा किया है। इस कार्रवाई में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके कब्जे से लगभग 5 लाख रुपये मूल्य का मशरूका जब्त किया गया है, जिसमें 800 नग प्रतिबंधित नशीली सिरप, एक सेंट्रो कार, एक एक्टिवा, 4 मोबाइल फोन तथा बिक्री की रकम शामिल है। पुलिस के अनुसार, 23 अप्रैल 2026 को सूचना मिली थी कि ग्राम जुनवानी खम्हरिया रोड, भिलाई के पास 3 व्यक्ति प्रतिबंधित कोडीन युक्त सिरप की अवैध बिक्री के लिए परिवहन कर रहे हैं। सूचना पर चौकी स्मृतिनगर एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर सेंट्रो कार (CG-07/8595) को रोका और जांच की। वाहन की तलाशी के दौरान 7 कार्टून में प्रतिबंधित CADIFOS-T सिरप बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी योगेश शर्मा और उमेश कुमार यादव ने स्वीकार किया कि वे फर्जी ड्रग लाइसेंस तैयार कर गुजरात स्थित कंपनी से ई-कुरियर और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से नशीली सिरप मंगवाते थे और उसे अवैध रूप से ऊंचे दामों पर बेचते थे।

स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियो को स्पष्ट निर्देश,

सीबीएसई स्कूलों में सिर्फ एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों से हो पढ़ाई...बाध्य करने पर होगी सख्त कार्रवाई...

रायपुर,24 अप्रैल 2026। मुख्य सचिव विकासशील ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियो को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सीबीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में अब एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों से ही अध्यापन कराना अनिवार्य होगा। अभिभावकों और छात्रों पर निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें और वर्कबुक खरीदने के लिए दबाव डालने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ अब शिक्षा विभाग सख्त हो गए हैं। अप्रैल 2026 में जारी आदेशों के अनुसार निजी स्कूलों को एनसीईआरटी की किताबें ही अपनाने के निर्देश दिए गए हैं और निजी दुकानों से किताबें खरीदने की बाध्यता खत्म करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि राज्य शासन का उद्देश्य पालकों को अनावश्यक आर्थिक बोझ से बचाना और शिक्षा को सुलभ बनाना है। मुख्य सचिव ने समस्त कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर कहा है कि निजी विद्यालयों द्वारा एनसीईआरटी की पुस्तकों के स्थान पर निजी प्रकाशकों की महंगी पुस्तकें क्रय करने हेतु विद्यार्थियों एवं पालकों को बाध्य नहीं किया जाए। निजी प्रकाशकों की पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य करने पर सख्त कार्रवाई करें। सीजी बोर्ड से संबद्धता प्राप्त निजी विद्यालयों में पहली से 10 वीं तक एससीईआरटी की छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम से प्रकाशित पुस्तकें विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रदाय की जाती हैं।

सस्पेंडेड आईएएस रानू की अटैच प्रॉपर्टी नहीं होगी मुक्त

हाईकोर्ट बोला...पहले की संपत्ति भी हो सकती है कुर्क,मनी-लॉन्ड्रिंग में सीधे सबूत जरूरी नहीं

बिलासपुर,24 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कोरबा कलेक्टर रहीं और सस्पेंड आईएएस रानू साहू के रिश्तेदारों की संपत्ति अटैच करने के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल ने अपने फैसले में कहा कि अपराध से पहले खरीदी गई संपत्ति भी अटैच की जा सकती हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में सीधे सबूत होना जरूरी नहीं है। परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर भी कार्रवाई की जा सकती है। दरअसल कोल लेवी वसूली और मनी लॉन्ड्रिंग केस में रानू साहू आरोपी हैं। जांच के दौरान ईडी को पता चला कि रानू साहू ने अवैध लेन-देन कर अपने रिश्तेदारों के नाम पर संपत्ति अर्जित की है। जांच के बाद ईडी ने रानू साहू के रिश्तेदार तुषार साहू, पंकज कुमार साहू, पीयूष कुमार साहू, पूनम साहू, अरुण कुमार साहू, लक्ष्मी साहू, सहलिनी साहू और रेवती साहू की करोड़ों की संपत्तियों को अटैच किया है। जिसके खिलाफ रिश्तेदारों ने हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर की थी। साथ ही अटैच संपत्तियों को मुक्त कराने की मांग की थी।

ईडी की कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने लगाई मुहर

याचिकाकर्ताओं का कहना था कि संबंधित संपत्तियां रानू साहू के कलेक्टर बनने से पहले खरीदी गई थी, इसलिए उन्हें अटैच करना गलत है। साथ ही यह भी दलील दी गई कि एफआईआर में उनका नाम शामिल नहीं है और अपीलेट ट्रिब्यूनल की ओर से अपील खारिज करना भी अनुचित है। हालांकि हाईकोर्ट ने इन सभी तर्कों को स्वीकार नहीं किया।

हाईकोर्ट बोला...मनी लाड्रिंग केस में संपत्ति अटैच करने का है अधिकार

डिवीजन बेंच ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि अपराध से पहले खरीदी गई संपत्ति भी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत स्वत: सुरक्षित नहीं मानी जा सकती। कानून के तहत जुर्म से हुई कमाई की परिभाषा केवल अवैध संपत्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी समतुल्य कीमत की संपत्ति भी इसमें शामिल होती है। ऐसी स्थिति में अगर वास्तविक अवैध कमाई का पता नहीं चल पाता, तो एजेंसियां बराबर मूल्य की अन्य संपत्तियों को भी अटैच कर सकती हैं। भले ही वे पहले कानूनी रूप से खरीदी गई हो।

सीधे सबूत जरूरी नहीं, परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर्याप्त

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग जैसे मामलों में सीधे साक्ष्य मिलना अक्सर कठिन होता है, क्योंकि लेन-देन कठिन और इनडायरेक्ट तरीके से किए जाते हैं। फाइनेंशियल एनालिसिस, संपत्ति खरीद की टाइमलाइन और वैध आय के अभाव जैसे परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर भी यह माना जा सकता है कि संपत्ति और अपराध से हुई कमाई के बीच शुरुआत से संबंध है।

वेदांता पावर प्लांट हादसा... रायपुर के अस्पताल में थमी विश्वजीत की सांसें,वेदांता प्लांट हादसे में मौत का आंकड़ा 25 पहुंचा

सक्ती,24 अप्रैल 2026। जिले में स्थित वेदांता पावर प्लांट में हुए उस खौफनाक हादसे ने एक और मजदूर की जिंदगी निगल ली है। 14 अप्रैल को हुए ब्लास्ट में गंभीर रूप से झुलसे पश्चिम बंगाल के मजदूर विश्वजीत साहू ने रायपुर के श्री शंकरा हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। इलाज के दौरान आए कार्डियक अरेस्ट ने उनकी जान ले ली जिससे अब इस भीषण त्रासदी में मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 25 हो गई है। गौरतलब है कि बायलर के फर्नेस में दबाव बढ़ने से हुए इस धमाके ने कई हंसते-खेलते परिवारों को उजाड़ दिया है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है और वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल व प्लांट हेड देवेंद्र पटेल समेत 19 जिम्मेदार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने इन सभी पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला कायम किया है। दूसरी तरफ सरकार ने इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं जिसके लिए बिलासपुर संभाग के आयुक्त को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासन की कोशिश है कि हादसे की असली वजह सामने आए और दोषियों को बख्शा न जाए। इस जांच प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के लिए आम जनता और प्रत्यक्षदर्शियों को भी अपनी बात रखने का मौका दिया गया है।

रायगढ़ में रिटायर्ड अधिकारी से 36.97 लाख की ठगी,राजस्थान से पकड़े गए महिला समेत 5 आरोपी

रायगढ़,24 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बिजली विभाग के रिटायर्ड अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर ठगों ने 37 लाख रुपए ठग लिए। गिरोह ने फर्जी IPS और CBI अफसर बनकर घटना को अंजाम दिया। वारदात के बाद मामले की सूचना पर पुलिस ने राजस्थान से महिला समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, रायगढ़ के केसर परिसर में रहने वाले नरेंद्र ठाकुर (66 वर्ष) छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत परेषण कंपनी में सुपरवाइजर पद पर पोस्टेड थे और जनवरी 2022 में रिटायर हो चुके हैं। उन्होंने 17 फरवरी 2026 को साइबर थाना में लिखित शिकायत देकर बताया कि उनके साथ करीब 36 लाख 97 हजार 117 रुपए की ठगी हुई है। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पीड़ित ने बताया कि 14 जनवरी 2026 को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात महिला का फोन आया था। उसने खुद को टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया से जुड़ा बताया और कहा कि उनके पहचान पत्र का इस्तेमाल कर मोबाइल नंबर गलत कामों में इस्तेमाल हो रहा है। इसके बाद कॉल को एक फर्जी टेलीकॉम अधिकारी और दिल्ली के बारह खंभा रोड पुलिस स्टेशन के नाम पर बात कर रहे व्यक्ति से कनेक्ट कर दिया गया। इन लोगों ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने और गिरफ्तारी की धमकी दी।

सट्टेबाजी गिरोह के मास्टरमाइंड बाबू खेमानी के घर क्राइम ब्रांच का छापा,विदेशी नेटवर्क और दस्तावेजों की जांच जारी

रायपुर,24 अप्रैल 2026। ऑनलाइन सट्टा एप '3 Stumps' से जुड़े बड़े नेटवर्क पर रायपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एप के मास्टरमाइंड सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बाबू खेमानी के निवास पर क्राइम ब्रांच और गंज थाना की संयुक्त टीम ने छापेमारी की है। जानकारी के अनुसार, इस कार्रवाई में डीएसपी, टीआई समेत वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने घर और अन्य संभावित ठिकानों पर दबिश देकर महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि बाबू खेमानी के विदेशी नेटवर्क से जुड़े होने की जानकारी मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है। पुलिस पिछले एक घंटे से लगातार तलाशी और दस्तावेजों की जांच में जुटी हुई है।

मुंबई से गिरफ्तार हुआ था बाबू खेमानी : रायपुर कमिश्नरेट (डीसीपी क्राइम एवं साइबर) ने बीते 17 अप्रैल को पूरे मामले का खुलासा किया था। पुलिस ने छापेमारी कर ऑनलाइन सट्टा गिरोह के मास्टरमाइंड बाबू खेमानी को मुंबई से गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही टीम ने महाराष्ट्र और गोवा में दबिश देकर कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया और एक पूरा पैनल नेटवर्क ध्वस्त कर दिया। पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला की सतत मॉनिटरिंग में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने यह बड़ी कार्रवाई की। खुलासे में बताया गया कि बाबू खेमानी अपने भाई करण खेमानी के साथ मिलकर पिछले ढाई वर्षों से '3Stumps', 'रेड्डी ग्रुप', 'बजरंग ग्रुप', 'मेट्रो 65' और 'डायमंड मास्टर' जैसे ऑनलाइन सट्टा पैनलों का संचालन कर रहा था। पुलिस के अनुसार, यह पूरा नेटवर्क सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की आड़ में चलाया जा रहा था और इसमें म्यूल खातों के जरिए लेन-देन किया जाता था। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि आरोपी 20-30 हजार रुपये में बैंक खाते खरीदकर उनका इस्तेमाल सट्टे की रकम के लेन-देन में करते थे।

कई राज्यों में फैला था नेटवर्क

जांच में सामने आया कि यह सट्टा नेटवर्क छत्तीसगढ़ के साथ-साथ महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गोवा और अन्य राज्यों तक फैला हुआ था। गोवा में संचालित एक लाइन पैनल को भी ध्वस्त किया गया है। अब तक इस मामले में 27 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

भारी मात्रा में सामग्री बरामद

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 03 लैपटॉप, 18 मोबाइल फोन, 01 राउटर, 10 एटीएम कार्ड, सट्टा हिसाब-किताब की कॉपियां और 01 बीएमडब्ल्यू कार सहित अन्य सामान जब्त किया। कुल बरामदगी की कीमत लगभग 60 लाख रुपये बताई गई।

कांग्रेस नेता के घर में घुसकर बदमाशों का हमला...बड़े बेटे की मौके पर ही मौत,छोटा घायल

जांजगीर-चांपा,24 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में कांग्रेस नेता के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। तीन नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया है। मर्डर के बाद आरोपी मौके से भाग गए, जिनकी तलाश की जा रही है। घटना बिर्रा थाना क्षेत्र के करही गांव का है। हमले में कांग्रेस नेता के एक बेटे की मौके पर ही मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। घटना की जानकारी पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बिर्रा पुलिस थाना क्षेत्र के करही गांव में देर रात करीब 12:30 बजे हुई। जांजगीर-चांपा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप ने बताया कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक, तीन नकाबपोश हमलावर मोटर साइकिल पर आए और सम्मेलाल कश्यप के घर में घुस गए।

कारोबारी हैं कांग्रेस नेता

पुलिस के अनुसार, सम्मेलाल कश्यप सीमेंट और रेत का कारोबार करते थे। वे कांग्रेस की ब्लॉक इकाई के पूर्व उपाध्यक्ष रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने कश्यप के दोनों बेटों पर गोलियां चलाईं, जिसमें 19 वर्षीय आयुष कश्यप की मौके पर ही मौत हो गई। उसके सीने में दो गोलियां लगी थीं। वहीं उसका छोटा भाई आशुतोष घायल हो गया। आशुतोष के हाथ में गोली लगी है।

पुलिस थानों को सतर्क किया गया है...

उन्होंने बताया कि घायल आशुतोष को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा। हमलावरों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया है, और पूरे इलाके में जांच चौकियां बनाई गई हैं। आस-पास के जिलों और स्थानीय पुलिस थानों को भी सतर्क कर दिया गया है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

उन्होंने बताया कि फोरेंसिक और साइबर टीमों को भी जांच में शामिल किया गया है, और आस-पास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। हमले का मकसद अभी साफ नहीं है।

दूसरे बेटे ने बताया

हमले में घायल आशुतोष ने बताया कि वह रात करीब 10 बजे खाना खाने के बाद सो गया था, जबकि उसका बड़ा भाई आधी रात के आसपास जांजगीर से घर लौटा था। उसने बताया, 'रात करीब 12:34 बजे, कुछ शोर सुनकर मेरी मां ने मुझे फोन किया। जब मैं जागा, तो मैंने कमरे में तीन हथियारबंद लोगों को देखा, जिन्होंने मुझ पर गोलियां चला दीं। मेरे हाथ में गोली लगी। उसके बाद उन्होंने मेरे भाई पर गोली चलाई। जब मेरी बहन ने मेरे भाई की मदद करने की कोशिश की, तब हमलावरों ने हम पर बंदूक तान दी और पैसे और मोबाइल फोन की मांग की। मेरे पास जो भी नकद था लगभग 50-60 रुपये और मेरी बहन का फोन,मैंने उन्हें दे दिया।''

पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाकर विकसित भारत की नींव को मजबूत कर रही है हमारी सरकार : सीएम साय

रायपुर,24 अप्रैल 2026। डबल इंजन की हमारी सरकार पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाकर विकसित भारत की नींव को मजबूत कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में गांवों के समग्र विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के डीडीयू ऑडिटोरियम में आयोजित पंचायत पदाधिकारी सम्मेलन में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रियता से ही गांवों का विकास होगा और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचेगा। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों और पंचायत प्रतिनिधियों को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत पंचायत प्रतिनिधि के रूप में की थी तथा पंच और सरपंच के दायित्व का निर्वहन किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि के रूप में गांव के विकास को लेकर जो अनुभव प्राप्त होते हैं, वही आगे बढ़ने में सहायक होते हैं। आज हजारों जनप्रतिनिधि पंचायत से अपना सफर शुरू कर देश के उच्च सदनों तक पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों को स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर बनाने में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका है और जमीनी स्तर पर बेहतर कार्य करने से ही प्रभावी नीतियां बनती हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब ग्रामीणों को पक्के मकान मिल रहे हैं, साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गांवों की कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि अटल डिजिटल सेवा केंद्रों के माध्यम से बैंकिंग, बिजली बिल भुगतान, पेंशन और बीमा जैसी सेवाएं अब ग्रामीणों के लिए सहज हो गई हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तेजी आई है। महिलाओं के लिए महतारी सदन का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें से कई पूर्ण हो चुके हैं और इनसे महिलाओं को सीधा लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री साय ने पंचायत प्रतिनिधियों से कहा कि पंचायतों में संचालित सभी गतिविधियों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें, ताकि गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ सभी विकास कार्य पूर्ण हो सकें। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सफल क्रियान्वयन में पंचायतों की जिम्मेदारी बड़ी है और इसे समयबद्ध रूप से पूरा करने में पंचायत प्रतिनिधियों को अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। मुख्यमंत्री साय ने सुशासन तिहार के आयोजन का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से आमजनों की समस्याओं के समाधान के लिए शिविर लगाए जाएंगे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)